मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 11 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक कृष्ण 15 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 66 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक



4 ▶▶ प्रधानमंत्री मोदी के लिए ऐतिहासिक चर्च में उठे हाथ के गहरे संदेश

यूजिक वीकेंड का हिस्सा बने मीका सिंह ◀◀ 6

डॉक्टर की गवाही के बगैर पत्नी की मानसिक बीमारी नहीं हो सकती तलाक का आधार

हाईकोर्ट ने कोडरमा फैमिली कोर्ट का आदेश किया रद्द

संवाददाता

रांची : जीवनसाथी को मानसिक बीमारी से पीड़ित बताकर और दवाइयां नहीं लेने के आधार पर उसे मानसिक क्रूरता का दोषी ठहराकर तलाक नहीं दिया जा सकता। इसके लिए ठोस और विश्वसनीय चिकित्सकीय साक्ष्य जरूरी हैं। झारखंड हाईकोर्ट ने एक वैवाहिक विवाद में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए यह टिप्पणी की है। अदालत ने पत्नी की कथित मानसिक बीमारी और दवा नहीं लेने को मानसिक क्रूरता मानकर कोडरमा फैमिली कोर्ट द्वारा दिए गए तलाक के आदेश को निरस्त कर दिया है।

डॉक्टर की गवाही के बिना बीमारी कैसे साबित होगी? : मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति अखिल कुमार की खंडपीठ में हुई। अदालत ने रिकॉर्ड का परीक्षण करने के बाद पाया कि पति ने फैमिली कोर्ट में अपने पक्ष में तीन गवाह पेश किए थे, लेकिन पत्नी का इलाज करने वाले डॉक्टर को गवाही के लिए नहीं बुलाया गया था। न ही किसी मेडिकल ऑफिसर या विशेषज्ञ ने पत्नी की कथित बीमारी की पुष्टि की। हाईकोर्ट ने



कहा कि जब किसी वैवाहिक विवाद में मानसिक बीमारी को आधार बनाकर राहत मांगी जाती है, तो अदालत का दायित्व है कि वह ऐसे आरोपों की सावधानीपूर्वक जांच करे। बीमारी की प्रकृति, उसकी गंभीरता और वैवाहिक संबंधों पर उसके प्रभाव को विश्वसनीय साक्ष्यों के आधार पर स्थापित करना जरूरी है। खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि केवल किसी व्यक्ति को स्किजोफ्रेनिया (ङ्मँ१ङ्क्रस्रँशील्ल्रं) से पीड़ित बता देना तलाक का आधार नहीं हो सकता।

कोडरमा जिला के एक दंपति से जुड़ा है मामला : यह मामला कोडरमा जिला से जुड़ा है। शादी वर्ष 2019 में हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। पति का आरोप था कि शादी के करीब एक महीने बाद ही पत्नी का व्यवहार बदल गया। वह परिवार के सदस्यों से झगड़ा और गाली-गलौज करने लगी। पति के मुताबिक, पत्नी को रांची के कांके में चिकित्सकीय जांच के लिए ले जाया गया था, जहां उन्हें स्किजोफ्रेनिया, बाइपोलर डिसऑर्डर और दौरे की समस्या बताई गई थी। पति का दावा था कि चिकित्सकीय सलाह के बावजूद पत्नी दवाइयां नहीं लेती थी। इस वजह से दोनों परिवारों के बीच कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन विवाद का समाधान नहीं निकल सका।

मुकदमे की एकतरफा सुनवाई : इसके बाद पति ने कोडरमा फैमिली कोर्ट में हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(ं) के तहत मानसिक क्रूरता के आधार पर तलाक की याचिका दाखिल की। पत्नी के अदालत में उपस्थित नहीं होने के कारण नवंबर 2025 में मुकदमे की सुनवाई एकतरफा कर दी गई। फैमिली कोर्ट ने 5 जनवरी 2026 को पति के पक्ष में तलाक की डिक्री पारित कर दी।

पत्नी ने हाई कोर्ट में दी चुनौती : हालांकि, पत्नी ने इस फैसले को झारखंड हाईकोर्ट में चुनौती दी। पत्नी की ओर से दलील दी गई कि फैमिली कोर्ट में उन्हें विधि सम्मत तरीके से समन नहीं भेजा गया और न ही वैकल्पिक माध्यम से नोटिस प्राप्त कराया गया। उन्होंने पति पर अतिरिक्त दहेज की मांग, मारपीट और प्रताड़ना का आरोप भी लगाया। पत्नी का कहना था कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर पति और उनकी मां ने उनके साथ मारपीट की और 16 फरवरी 2025 को उन्हें घर से निकाल दिया। उनके स्त्रीधन के आभूषण भी छीन लिए गए। इसके बाद से वह अपनी बेटी के साथ मायके में रह रही हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रदीप कुमार ने पक्ष रखा था।

सभी तथ्यों और कानूनी पहलुओं पर विचार करने के बाद खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट के फैसले को विकृत और अनुचित ठहराया। अदालत ने 5 जनवरी 2026 के फैसले और 17 जनवरी 2026 को हस्ताक्षरित तलाक की डिक्री को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही पत्नी की ओर से दाखिल अपील स्वीकार कर ली गई।

अंबा प्रसाद के समर्थन में उतरे कांग्रेस प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश

संवाददाता

रांची : बड़कागांव (हजारीबाग) की पूर्व विधायक व कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद के सरकारी आवास को सील किए जाने का विवाद गहराता जा रहा है। आवास के बाहर धरने पर बैठीं अंबा प्रसाद के समर्थन में अब कांग्रेस नेतृत्व भी उतर आया है।

कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के। राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश बुधवार को अंबा प्रसाद के आवास पहुंचे और उनसे पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। इस दौरान परिसर में लिट्टी-चोखा बनाया गया, जिसे कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने एक साथ बैठकर खाया। इस दौरान मौके पर मौजूद कार्यकताओं ने भी प्रशासन की कार्रवाई पर नाराजगी जताई।

समर्थकों ने सवाल उठाया कि एचईसी परिसर में कई पूर्व विधायक और पूर्व पदाधिकारी अब भी सरकारी आवासों में रह रहे हैं, तो कार्रवाई केवल अंबा प्रसाद के खिलाफ क्यों की गई। उन्होंने इसे पक्षपातपूर्ण कार्रवाई बताते हुए आवास की सील खोलने की मांग की।

इस मामले में विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने भी अंबा प्रसाद का



समर्थन किया है। लोकहित जनअधिकार पार्टी के कपिल कुमार साहू समेत ओबीसी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अंबा के खिलाफ की गई कार्रवाई का विरोध किया।

वहीं, कांग्रेस से जुड़े पूर्व सैनिक कैप्टन एचएन यादव ने भी अंबा का समर्थन करते हुए आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी गठबंधन सरकार को बदनाम करने की मंशा से काम कर रहे हैं। विरोध कर रहे नेताओं और संगठनों ने आवास की सील तत्काल खोलने, आवास आवंटन की पात्रता की समीक्षा के लिए स्वतंत्र कमेटी गठित करने और सभी पूर्व जनप्रतिनिधियों पर समान नियम लागू करने की मांग की।

इस मौके पर अंबा प्रसाद ने कहा कि पार्टी पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है। प्रदेश प्रभारी के। राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और महिला प्रदेश अध्यक्ष रमा खलखो के समर्थन से उन्हें काफी बल मिला है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता लगातार उनके संपर्क में हैं और उन्हें पूरा सहयोग दे रहे हैं। अंबा प्रसाद ने आरोप लगाया कि उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया और उन्हें निशाना बनाते हुए पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि पार्टी पूरे मामले को गंभीरता से समझ रही है और उन्हें विश्वास है कि इस पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि 7 नंवबर को रांची जिला प्रशासन ने पुराना विधानसभा के एचईसी परिसर स्थित अंबा प्रसाद के आवास पर ताला लगा दिया था। इसके विरोध में अंबा प्रसाद आवास के बाहर ही धरने पर बैठ गई थीं।

देश में खुलेंगे निवेश के नए रास्ते, मेकॉन और ईएंडवाई मिलकर बढ़ाएंगे औद्योगिक विकास की रफ्तार

रांची : देश में निवेश बढ़ाने और नई औद्योगिक परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए मेकॉन लिमिटेड और अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी (ईएंडवाई) ने हाथ मिलाया है। दोनों संस्थानों के बीच रणनीतिक सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस साझेदारी से निवेश के नए रास्ते खुलने के साथ औद्योगिक और आधारभूत संरचना के विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

समझौते के तहत दोनों संस्थान अपनी विशेषज्ञता और अनुभव का साझा उपयोग करेंगे। मेकॉन की इंजीनियरिंग एवं तकनीकी विशेषज्ञता और अर्न्स्ट एंड यंग के निवेश एवं व्यावसायिक परामर्श अनुभव का लाभ औद्योगिक परियोजनाओं को मिलेगा। दोनों संस्थान मिलकर ऐसे क्षेत्रों की पहचान करेंगे, जहां निवेश की बेहतर संभावनाएं हैं।

इस पहल का एक प्रमुख उद्देश्य निवेशकों की राह आसान बनाना भी है। निवेश संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाने, संभावित निवेशकों को आकर्षित करने और नई परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा औद्योगिक विकास की प्राथमिकताओं की पहचान कर योजनाओं को धरातल पर उतारने में सहयोग किया जाएगा।

मेकॉन के अनुसार, यह साझेदारी केवल निवेश आकर्षित करने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देगी। इससे आने वाले समय में नई परियोजनाओं के साथ रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। दोनों संस्थानों का यह साझा प्रयास देश के औद्योगिक और आर्थिक विकास को नई दिशा देने में सहायक साबित हो सकता है।

झारखंड वन विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल 39 अधिकारियों का तबादला; कई को प्रमोशन भी

रांची : राज्य सरकार ने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया है। वन एवं पर्यावरण विभाग की अधिसूचना के अनुसार भारतीय वन सेवा और राज्य वन सेवा के कुल 39 अधिकारियों का स्थानांतरण एवं पदस्थापन किया गया है।

इसमें अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक से लेकर वन प्रमंडल पदाधिकारी स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं। कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। अधिसूचना के अनुसार, राजकुमार वाजपेयी, जब्बर सिंह, कर्मा जिम्पा भुटिया, सिद्धार्थ त्रिपाठी और एसआर नटेश समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।

राजकुमार वाजपेयी को अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, झारखंड के पद पर पदस्थापित किया गया है। वहीं, जब्बर सिंह को अपर मुख्य वन संरक्षक कैम्पा बनाया गया है। सिद्धार्थ त्रिपाठी को राज्य वन विकास निगम का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। पीएन नायडू को क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है। उन्हें वेतन मैट्रिक्स लेवल-14 में प्रोन्नति भी दी गई है। डा। बी। बास्करण को लघु वन पदार्थ विकास निगम, रांची में प्रभारी महाप्रबंधक की जिम्मेदारी दी गई है।

विभागीय फेरबदल में विभिन्न वन प्रमंडलों में भी अधिकारियों की तैनाती की गई है। इसके तहत जमशेदपुर, चाईबासा, गढ़वा, लातेहार, मेदिनीनगर, हजारीबाग, बोकारो, दुमका, गुमला, चतरा, धनबाद और कोडरमा समेत विभिन्न क्षेत्रों में पदाधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। अधिसूचना में कई अधिकारियों को वेतन मैट्रिक्स लेवल-13ए में प्रोन्नति देते हुए नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इनमें सवा आलम अंसारी, अभिषेक कुमार, विजय शंकर दूबे और सौरम चंद्र समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं।विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन अधिकारियों के स्थान पर दूसरे अधिकारियों की पदस्थापना की गई है और जिनका स्थानांतरण नहीं हुआ है, उन्हें संबंधित विभागीय मुख्यालय में योगदान देना सुनिश्चित करना होगा।

सरकार ने संबद्ध और स्वास्थ्य सेवा व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए एक नया नियामक ढांचा प्रस्तावित किया

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने बुधवार को संबद्ध और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के पात्र पेशेवरों के लिए अनंतिम पंजीकरण (प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन) हेतु एक व्यापक नियामक ढांचे का प्रस्ताव रखा। इस ढांचे में कौशल उन्नयन, योग्यता के आकलन तथा नियमित पंजीकरण प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए स्पष्ट और सुव्यवस्थित प्रावधान किए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत 'नेशनल कमीशन फॉर एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन्स' (एनसीएएचपी) द्वारा प्रस्तावित इस ढांचे का उद्देश्य पेशेवर पंजीकरण में अधिक एकरूपता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है। साथ ही, यह योग्य पेशेवरों को निर्धारित मानकों के अनुसार अपनी योग्यता और क्षमता बढ़ाने के लिए व्यवस्थित अवसर भी प्रदान करता है। इन प्रस्तावित नियमों की एक मुख्य विशेषता योग्य संबद्ध स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के अनंतिम पंजीकरण के लिए एक पारदर्शी और मानकीकृत प्रणाली बनाना है, जो एनसीएएचपी अधिनियम, 2021



के प्रावधानों के अनुरूप हो।

इस ढांचे में पात्रता मानदंड, दस्तावेजों का सत्यापन और पंजीकरण की स्पष्ट प्रक्रियाएं शामिल हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि पेशेवर मान्यता कानूनी आवश्यकताओं और योग्यता मानकों के अनुरूप हो।

गौरतलब है कि इन प्रस्तावित नियमों में अनंतिम रूप से पंजीकृत पेशेवरों के लिए नियमित पंजीकरण की शर्तें पूरी करने के अवसर भी दिए गए हैं। इसके तहत वे कौशल बढ़ाने के लिए निर्धारित 'ब्रिज कोर्स', पर्यवेक्षित क्लिनिकल प्रशिक्षण और (जहां लागू हो) न्यूनतम योग्यता परीक्षाएं पूरी कर सकते हैं।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ₹योग्यता-आधारित यह दृष्टिकोण निरंतर पेशेवर विकास को बढ़ावा देने, करियर में आगे बढ़ने में मदद करने और संबद्ध तथा स्वास्थ्य सेवाओं (अलाइड एंड हेल्थकेयर सर्विसेज) की गुणवत्ता को मजबूत करने का प्रयास करता है।₹ प्रस्तावित ढांचा कौशल विकास, पेशेवर योग्यता और नियामक जवाबदेही पर भी जोर देता है। एनसीएएचपी ने 'अलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स रेगुलेशंस, 2026 के ड्राफ्ट प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन' (अस्थायी पंजीकरण के मसौदे) पर 4 दिसंबर तक आम जनता और हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं।

इन प्रस्तावित नियमों में एक एकीकृत ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली की परिकल्पना की गई है, ताकि आवेदन जमा करने, दस्तावेजों के सत्यापन, पात्रता के आकलन और अस्थायी पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जा सके।

पात्र पेशेवरों को अस्थायी पंजीकरण मिलने पर एक 'प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर' (पीआर यूआईडी) दिया जाएगा, जिससे उनकी व्यवस्थित पहचान और नियामक निगरानी संभव हो सकेगी।

इस डिजिटल प्रणाली का उद्देश्य पंजीकरण प्रक्रियाओं को सरल बनाना, पहुंच को बेहतर करना और विभिन्न राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में अधिक पारदर्शिता, कार्यकुशलता और एकरूपता को बढ़ावा देना है।

यमुनोत्री धाम के कपाट छह माह के लिए बंद, इस वर्ष 8.84 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए मां यमुना के दर्शन

उत्तरकाशी : आस्था, श्रद्धा और परंपरा के अद्भुत संगम के बीच विश्वप्रसिद्ध यमुनोत्री धाम की इस वर्ष की यात्रा का समापन हो गया। भैयादूज के पावन पर्व पर वैदिक मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं के जयकारों के बीच यमुनोत्री धाम के



कपाट आगामी छह माह के शीतकाल के लिए विधि-विधान के साथ बंद कर दिए गए। इस वर्ष 8 लाख 84 हजार 742 श्रद्धालुओं ने मां यमुना के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया। कपाट बंद होने के साथ ही मां यमुना की उत्सव डोली पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनके शीतकालीन प्रवास खरसाली (मुखीमठ) के लिए रवाना हुई। कपाट बंद होने के अवसर पर यमुनोत्री धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही और धार्मिक गतिविधियां जारी रहीं। मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। निर्धारित धार्मिक परंपराओं के अनुसार मां यमुना की उत्सव डोली को सजाया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने मां यमुना के अंतिम दर्शन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर के कपाट बंद होने के क्षणों में पूरा धाम मां यमुना के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

कपाट बंद होने के बाद मां यमुना की उत्सव डोली श्रद्धालुओं की मौजूदगी में शीतकालीन प्रवास के लिए खरसाली रवाना हुई। खरसाली स्थित मुखीमठ में आगामी छह माह तक मां यमुना की पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान विधि-विधान से संपन्न होंगे। शीतकाल के दौरान श्रद्धालु यमुनोत्री धाम के बजाय खरसाली पहुंचकर मां यमुना के दर्शन कर सकेंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार खरसाली को मां यमुना का शीतकालीन प्रवास स्थल माना जाता है। इस वर्ष यमुनोत्री धाम में 8,84,742 श्रद्धालुओं का पहुंचना चारधाम यात्रा के प्रति बढ़ते आकर्षण और मां यमुना के प्रति अटूट आस्था का प्रमाण है। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने दुर्गम पर्वतीय मार्गों की चुनौतियों के बावजूद धाम पहुंचकर दर्शन किए। यात्रा के समापन के साथ ही यमुना घाटी में अब शीतकालीन प्रवास की धार्मिक परंपराएं शुरू हो गई हैं।

सरकार ने लिथियम-आयन ब्लैक मास सहित बैटरी स्क्रैप के निर्यात पर लगाई रोक

नई दिल्ली : सरकार ने प्राथमिक सेल, प्राथमिक बैटरी और इलेक्ट्रिक एक्यूमुलेटर के कचरे एवं स्क्रैप के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इसमें लिथियम-आयन बैटरी का ब्लैक मास भी शामिल है। वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि उसने संबंधित उत्पाद की निर्यात नीति में बदलाव किया है। अधिसूचना के मुताबिक, ₹आईटीसी (एचएस) कोड 85491400 के तहत प्राथमिक सेल, प्राथमिक बैटरी और इलेक्ट्रिक एक्यूमुलेटर के कचरे एवं स्क्रैप तथा इस्तेमाल की जा चुकी प्राथमिक सेल, प्राथमिक बैटरी और इलेक्ट्रिक एक्यूमुलेटर, जो बिना छांटे हुए हैं और जिनमें सीसा, कैडमियम या पारा नहीं है (लिथियम-आयन बैटरी ब्लैक



मास), की निर्यात नीति को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक 'मुक्त' से बदलकर 'प्रतिबंधित' कर दिया गया है।₹

इसमें कहा गया कि यह संशोधन विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 के तहत किया गया है। इस अधिसूचना पर विदेश व्यापार नीति 2023 के पैरा 1।05 के तहत अंतरिम प्रावधान लागू होंगे।

सरकार का उद्देश्य घरेलू बैटरी रीसाइक्लिंग क्षमता को मजबूत करना और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए 2,814 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय सहायता योजना को मंजूरी दी थी। यह राशि पांच वर्षों की अवधि में खर्च की जाएगी।

'महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय सहायता योजना' का उद्देश्य भारत में घरेलू प्रसंस्करण क्षमताओं का विकास करना, देश के भीतर मूल्यवर्धन को बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना और पूरी मूल्य श्रृंखला विकसित करना है।

यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू रहेगी। इसके तहत चार महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने के लिए पात्र निवेश पर 30 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी दी जाएगी। इनमें दो लिथियम प्रसंस्करण संयंत्र (प्रत्येक की न्यूनतम क्षमता 30 हजार टन) और दो निकल प्रसंस्करण संयंत्र (प्रत्येक की न्यूनतम क्षमता 50 हजार टन) शामिल हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अधिकतम पूंजीगत सहायता की सीमा प्रत्येक लिथियम लाभार्थी के लिए 500 करोड़ रुपए और प्रत्येक निकल लाभार्थी के लिए 900 करोड़ रुपए तय की गई है।

फिलहाल भारत महत्वपूर्ण खनिजों, जिनमें लिथियम, निकल और कोबाल्ट शामिल हैं, के लिए घरेलू शोधन एवं प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे के शुरूआती चरण में होने के कारण परिष्कृत मध्यवर्ती उत्पादों और उच्च शुद्धता वाली सामग्रियों के आयात पर काफी हद तक निर्भर है।

समाचार सार

झारखंड के कैंसर मरीजों को महंगी दवाइयों से मिलेगी राहत : इरफान

रांची : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है कि कैंसर की 137 दवाइयों की कीमतों में 75 प्रतिशत तक की बड़ी राहत मिली है। इस सकारात्मक पहल से झारखंड के मरीजों को भी लाभ मिलेगा। इसके साथ ही राज्य के सभी जिलों के सदर अस्पतालों में सरकार की ओर से सीटी स्कैमन और पेट स्कैन मशीनें लगाने की तैयारी की जा रही है। इससे कैंसर स्क्रीनिंग और शुरूआती इलाज की व्यवस्था करने में और मजबूती मिलेगी। मंत्री ने मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के औषधि विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने 17 अक्टूबर 2026 को 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन अधिकतम 30 प्रतिशत निर्धारित करने का निर्णय लिया है। यह नई व्यवस्था नौ नवंबर 2026 से प्रभावी हो चुकी है। इस व्यवस्था के तहत दवाइयों की अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) में दवा के अनुसार भारी कमी की जा रही है। कई दवाइयों की कीमतों में 50 से 75 प्रतिशत तक की कमी संभव हुई है।

मंत्री ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज सिर्फ इसलिए नहीं रुकना चाहिए कि किसी गरीब परिवार के पास महंगी दवाइयां खरीदने के पैसे नहीं हैं। झारखंड में बड़ी आबादी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की है। ऐसे परिवारों के लिए कैंसर के इलाज में लाखों रुपये खर्च करना बेहद मुश्किल होता है। कई बार परिवार अपनी जमा-पूंजी, जमीन और संपत्ति तक बेचने को विवश होते हैं।

श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में हुआ 229वें श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल ने हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 229वें श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। इस मौके पर ह्यराम सिया राम सिया राम जय जय रामह्ल के गायन व बजरंग बली के जयकारों से श्री श्याम मंदिर गूंजता रहा। मंदिर के आचार्य ने सुनील मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्वलित करवाई एवं केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल प्रसाद का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का पूजन करके पाठ वाचकों का चंदन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत एवं ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित भक्तजनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के बाद पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा, पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा सेवा, मनीष साहू ने गिरिगोला सेवा, एवं राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया, अशोक लड़ियां कोषाध्यक्ष मनोज खेतान एवं कृष्णा हिमांशु कुमार आदि भक्त उपस्थित थे। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 14 नवंबर (शनिवार) को होने वाला श्री श्याम भंडारा छठ पूजा के खरना प्रसाद के कारण स्थगित रहेगा क ये जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

के. राजू आज रांची पहुंचेंगे, कॉन्क्लेव में करेंगे शिरकत

रांची : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अस्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के. राजू बुधवार को रांची पहुंचेंगे। वे पूर्वाह्न 11:30 बजे बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची पहुंचेंगे। अपने रांची प्रवास के दौरान के. राजू विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने जानकारी देते हुए कहा की निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर 1:30 बजे प्रोफेशनल कांग्रेस द्वारा आयोजित ह्यथिंक झारखंड 2019 कॉन्क्लेवह्ल मेंहोटल चाणक्य में शामिल होंगे। इसके पश्चात अपराह्न 4:00 बजे फिरयालाल बैंक्वेट हॉल में आयोजित ह्यवूमेन प्रोफेशनल्स कॉन्क्लेवह्ल में सहभागिता करेंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य के प्रबुद्ध पेशेवरों, विशेषज्ञों एवं महिला पेशेवरों के साथ विचार-विमर्श और संवाद का अवसर प्राप्त होगा। गांव-गांव में आयोजित होगी वोट बचाओ, देश बचाओ चौपालें : केशव महतो कमलेश

चौपाल कार्यक्रमों के सफल संचालन को लेकर पांच सदस्यीय कमेटी का किया गया गठन

रांची : वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत झारखंड के सभी प्रखंडों के गांव-गांव में वोट बचाओ, देश बचाओ चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन, नियमित अनुश्रवण एवं समीक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश ने पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। गठित कमेटी में श्री अनादि ब्रह्म को संयोजक तथा श्री लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. एम. तौसीफ अजहर पप्पू एवं श्री जितेंद्र त्रिवेदी को सदस्य मनोनीत किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि आज कांग्रेस भवन, रांची में नवनियुक्त कमेटी की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने कमेटी के सभी सदस्यों को अभियान के तृतीय चरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बैठक में कमेटी के सदस्यों को निर्देशित किया गया कि वे सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों एवं प्रखंड कांग्रेस अध्यक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर राज्य के प्रत्येक गांव में सरल, सहज एवं प्रभावी स्वरूप में वोट बचाओ, देश बचाओ चौपाल का आयोजन सुनिश्चित करें। साथ ही कार्यक्रमों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उनकी प्रगति की समीक्षा करें और प्रदेश कांग्रेस कमेटी को समय-समय पर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। राकेश सिन्हा ने कहा कि वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तीसरे चरण का उद्देश्य गांव-गांव तक पहुंचकर मतदाता सूची, मतदान के अधिकार और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़े विषयों पर लोगों के बीच संवाद स्थापित करना है। चौपाल के माध्यम से आम नागरिकों को जागरूक करने के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति उनकी भागीदारी और जिम्मेदारी को लेकर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी इस अभियान को राज्य के सभी प्रखंडों और गांवों तक पहुंचाने के लिए संगठनात्मक स्तर पर समन्वित प्रयास कर रही है।

शिक्षा ग्रहण कर राष्ट्र के नवनिर्माण में सहभागी बनें बच्चे : ट्विंकल छावनिका



रांची : जेसीआई रांची उड़ान की पूर्व प्रेसिडेंट व शहर की जानी-मानी समाजसेविका ट्विंकल छावनिका के सौजन्य से हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित एचआई-67 परिसर में आर्थिक रूप से कमजोर स्कूली बच्चों के बीच मिठाइयां बांटी गईं। छावनिका ने दीपावली व छठ महापर्व के मौके पर पर अपने संदेश में कहा कि पर्व-त्योहारों के अवसर पर बच्चों में खासा उत्साह देखा जाता है। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के बीच मिठाइयां व अन्य उपयोगी सामग्री बांटने से सुखद अनुभूति होती है। उन्होंने बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि शिक्षा ग्रहण कर परिवार, समाज व राष्ट्र के नवनिर्माण में सहभागी बनें। मौके पर बालदीप फाउंडेशन के ललन कुमार मिश्रा एवं अन्य लोग मौजूद थे।

मौलाना आजाद की जयंती पर अंजुमन अस्पताल में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप, 27 से अधिक युवाओं ने किया रक्तदान

गुलाम शाहिद



रांची : देश के प्रथम शिक्षा मंत्री और महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की 138वीं यौमे पैदाइश के मौके पर उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश करने के उद्देश्य से अंजुमन इस्लामिया अस्पताल प्रबंधन समिति की ओर से अस्पताल परिसर में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में 27 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम में सिटी एसपी पारस राणा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर अंजुमन इस्लामिया अस्पताल के अध्यक्ष मुख्तार अहमद ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। मौके पर अस्पताल के सुपरिटेंडेंट मोकीम आलम, वार्ड पार्षद मोहम्मद असलम, खालिद उमर, मोहम्मद जाहिद, नदीम इकबाल सहित अन्य लोगों ने मौलाना अबुल कलाम आजाद को उनकी यौमे पैदाइश पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

रक्तदान करने वाले सभी युवाओं को प्रोत्साहन के तौर पर प्रमाणपत्र और हेलमेट भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिल सकता है। मौलाना आजाद की जयंती पर इस तरह का आयोजन उनके आदर्शों और सामाजिक सेवा के संदेश को आगे बढ़ाने का प्रयास है। इस अवसर पर अंजुमन अस्पताल में ओपीडी सेवा भी निःशुल्क रखी गई। अस्पताल प्रबंधन ने आम लोगों से अपील की कि वे इस सुविधा का लाभ उठाएं।

कार्यक्रम में प्रबंधन समिति के मोहम्मद सुफियान, अफरोज आलम, मोहम्मद खालिक,सन्नी खान, जबीउलाह समेत अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारी उपस्थित थे।

अगली कैबिनेट बैठक में उर्दू अकादमी के गठन पर लगेगी मुहरः हफीजुल अंसारी

जश्न-ए-उर्दू में मंत्री ने की घोषणा, कहा- उर्दू से हम काफी पीछे हो गए हैं, अब इसे आगे बढ़ाने की जरूरत



संवाददाता

रांची : विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर सोमवार को कडरू स्थित हज हाउस में जश्न-ए-उर्दू कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उर्दू भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन पर जोर दिया गया। इस मौके पर राज्य के मंत्री हफीजुल अंसारी ने उर्दू अकादमी के गठन को लेकर बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगली कैबिनेट की बैठक में उर्दू अकादमी के गठन के प्रस्ताव पर मुहर लगने की उम्मीद है।

मंत्री ने कहा कि उर्दू भाषा से हम काफी पीछे हो गए हैं। अब समय आ गया है कि इसे आगे बढ़ाने के लिए गंभीरता से प्रयास किया जाए। उर्दू केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी तहजीब, संस्कृति और गंगा-जमुनी विरासत की पहचान है। इसके विकास के लिए सरकार के साथ-साथ समाज के लोगों को भी आगे आना होगा।

उन्होंने कहा कि उर्दू भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए अकादमी का गठन महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे उर्दू के साहित्यकारों, शायरों, पत्रकारों और नई पीढ़ी को एक बेहतर मंच मिल सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान उर्दू भाषा, पत्रकारिता, साहित्य और शायरी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि उर्दू हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत है। इसे शिक्षा, साहित्य, पत्रकारिता और सामाजिक जीवन में प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

कार्यक्रम में उर्दू की तरक्की, नई पीढ़ी में भाषा के प्रति रुचि पैदा करने और उर्दू से जुड़ी प्रतिभाओं को उचित सम्मान देने पर भी चर्चा हुई। आयोजकों ने कहा कि जश्न-ए-उर्दू का उद्देश्य उर्दू भाषा की खूबसूरती, उसकी साहित्यिक विरासत और पत्रकारिता में उसके योगदान को सामने लाना है।

पहले ही मुकाबले में डॉ. सेरान अली और पप्पू की जोड़ी का जलवा

कुस्सु और एजाज की करारी हार, मौलाना आजाद डे पर 5वें मौलाना आजाद बैडमिंटन टूनार्मेंट का भव्य शुभारंभ

संवाददाता



रांची : मॉर्निंग ग्रुप रांची के तत्वावधान में 11 नवंबर, मौलाना आजाद डे के अवसर पर आयोजित 5वें मौलाना आजाद बैडमिंटन टूनार्मेंट का शुभारंभ जी.एल. चर्च कॉम्प्लेक्स में उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि अमेरिका के टेक्सास से आए जनाब शाहिद साहब ने टॉस कराकर टूनार्मेंट का विधिवत आगाज किया।

टूनार्मेंट के पहले ही मुकाबले में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। डॉ. सेरान अली और पप्पू की जोड़ी ने एजाज आलम एवं अतीक अहमद (कुसु) की जोड़ी को कड़ी टक्कर देते हुए चारों खाने चित कर दिया और 2-1 से शानदार जीत हासिल की। मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में डॉ. सेरान अली और पप्पू की जोड़ी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ ही उन्होंने टूनार्मेंट में अपनी मजबूत शुरूआत की।

उद्घाटन समारोह में पूर्व विधायक जय प्रकाश गुप्ता, समाजसेवी विजय साहू, सरपरस्त हलीमुद्दीन, सदर अकीलुर्रहमान, इकबाल अंसारी, नौशाद खान, मुस्तकीम आलम, सरफराज अहमद, मोहम्मद परवेज, हसन सैफी एवं मोहम्मद नईम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आज के मुकाबले में रेफरी की भूमिका मोहम्मद मुस्तकीम आलम एवं अकीलुर्रहमान ने निभाई।

टूनार्मेंट के शुभारंभ पर खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। मॉर्निंग ग्रुप रांची द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और आपसी भाईचारे को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

निशा भगत मौत मामले में सीबीआई जांच का कांग्रेस ने किया स्वागत

भाजपा-आरएसएस से जुड़े लोगों की भूमिका की भी हो निष्पक्ष जांच : विजय शंकर

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता निशा भगत की मौत के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा सीबीआई जांच के निर्देश दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा निशा भगत के नाम पर आदिवासी समाज की भावनाओं का राजनीतिक इस्तेमाल करना और आदिवासी वोटों की ठेकेदारी करना बंद करे।

श्री नायक ने कहा कि निशा भगत की मौत से पहले फेसबुक लाइव के माध्यम से कथित प्रताड़ना और परेशानियों को लेकर कही गई बातों को जांच का महत्वपूर्ण आधार बनाया जाना चाहिए। फेसबुक लाइव में भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों पर लगाए गए कथित आरोपों तथा एक बड़े भाजपा नेता का नाम सामने आने संबंधी दावों की भी गंभीरता से पड़ताल होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निशा भगत के पिता द्वारा पिठोरिया थाना में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद परिवार को न्याय के लिए लगातार गुहार क्यों लगानी पड़ी, इसकी भी जांच आवश्यक है। पुलिस शिकायत, पारिवारिक बयान, डिजिटल साक्ष्य और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। नायक ने कहा कि सीबीआई जांच का दायरा किसी राजनीतिक दबाव या संरक्षण में सीमित नहीं होना चाहिए। भाजपा, आरएसएस, पुलिस-प्रशासन अथवा किसी अन्य व्यक्ति से जुड़े आरोपों की जांच उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं है। निशा भगत को न्याय चाहिए, राजनीतिक नौटंकी नहीं। दोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे कानून के कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। कांग्रेस की मांग है कि निष्पक्ष जांच के जरिए सच्चाई सामने आए और पीड़ित परिवार को न्याय मिले।

मशरूम की खेती से संवर रही महिलाओं और युवाओं की आजीविका

रांची : स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और पौष्टिक आहार की मांग के बीच मशरूम की खेती ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का नया माध्यम बनकर उभर रही है। कम जमीन, पानी और पूंजी में शुरू होने वाला यह व्यवसाय किसानों, महिलाओं और ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है। कृषि अपशिष्ट का उपयोग कर की जाने वाली मशरूम की खेती न केवल अतिरिक्त आय का साधन बन रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही है। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के इप्पटम गांव की 20 वर्षीय रुथु इसकी एक मिसाल हैं। कभी कचरा बीनकर आजीविका चलाने वाली रुथु ने ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण (एसटीआरवाई) योजना के तहत मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण लिया। कृषि विज्ञान केंद्र, गुंटूर में उन्हें मशरूम उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने मिल्की मशरूम की खेती शुरू की और स्थानीय बाजार में इसकी नियमित आपूर्ति करने लगीं।

नगर आयुक्त ने वार्ड संख्या 23 का किया निरीक्षण

संवाददाता



रांची : गुरुनानक जयंती को लेकर रांची नगर निगम की ओर से शहर में स्वच्छता, नागरिक सुविधाओं एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार को नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने निगम की टीम के साथ वार्ड संख्या 23 अंतर्गत गुरुनानक स्कूल एवं स्कूल के पीछे कडरू मार्ग से लाला लाजपत राय स्कूल मार्ग तक हरमू नदी तट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नदी की वर्तमान स्थिति, जल प्रवाह में आ रही बाधाओं, नदी तट पर फैली गंदगी, अतिक्रमण, अवैध व्यावसायिक गतिविधियों तथा आसपास की नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया।

नगर आयुक्त ने संबंधित शाखाओं को निर्देश दिया कि हरमू नदी के आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए समन्वित रूप से कार्य किया जाए। अभियंत्रण शाखा को नदी एवं तालाब के आसपास बोल्डर ब्लॉक लगाकर पेंटिंग कराने तथा पुल के दोनों ओर जालीनुमा घेराबंदी करने का निर्देश दिया गया, ताकि नदी में कचरा फेंकने एवं गंदगी फैलाने की गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।

सुशांत गौरव ने कहा कि नदी तट की स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी किया जाए। नदी की व्यापक सफाई सुनिश्चित करने के लिए नगर आयुक्त ने डीएवाई-एनएलयूएम टीम को मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (एमएसवाई) के तहत 50 श्रमिकों को सफाई अभियान से जोड़ने का निर्देश दिया। इसके माध्यम से नदी तट एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष श्रम आधारित सफाई अभियान चलाया जाएगा। वहीं, स्वच्छता शाखा को पोकलेन मशीन के माध्यम से नदी में जमा कचरे एवं अन्य गंदगी को हटाने तथा जल प्रवाह में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

नदी तट पर अवैध रूप से संचालित व्यावसायिक गतिविधियों पर सख्ती बरतते हुए नगर आयुक्त ने इनफोर्समेंट शाखा को ऐसी गतिविधियों को तत्काल बंद कराने एवं अतिक्रमण के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त विद्युत शाखा को क्षेत्र की सभी खराब पड़ी पथ बत्तियों को अविलंब दुरुस्त करने को कहा गया, ताकि रात्रि के समय श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुरुनानक जयंती के अवसर पर श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित शाखाएं आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा निरीक्षण के दौरान दिए गए निदेशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद, सहायक नगर आयुक्त, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, नगर प्रबंधक एवं रांची नगर निगम की संबंधित शाखाओं के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। गुरुनानक जयंती के अवसर पर निकलने वाली प्रभात फेरी को ध्यान में रखते हुए नगर आयुक्त ने रातू रोड, अपर बाजार, अल्बर्ट एक्का चौक, मेन रोड, सुजाता चौक से पीपी कंपाउंड तक के निर्धारित मार्ग पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का निर्देश दिया। पूरे मार्ग की व्यापक सफाई के साथ वाटर स्प्रिंकलर के माध्यम से सड़कों की धुलाई एवं सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि प्रभात फेरी में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण मिल सके।

निशा भगत आत्महत्या मामला: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की सीबीआई जांच की अनुशंसा

संवाददाता

रांची: आदिवासी नेत्री निशा भगत की आत्महत्या के मामले में झारखंड सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई से कराने की अनुशंसा कर दी है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार रात 10 बजकर 10 मिनट पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इस फैसले की जानकारी साझा की।

पिछले कुछ दिनों से इस मामले को लेकर झारखंड की राजनीति में लगातार बयानबाजी हो रही थी। भारतीय जनता पार्टी इस मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सरकार पर दबाव बना रही थी। ऐसे में मुख्यमंत्री की ओर से सीबीआई जांच की अनुशंसा किए जाने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

भाजपा के मशाल जुलूस के कुछ घंटे बाद सरकार का फैसला : निशा भगत की मौत के मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा लगातार सरकार को घेर रही थी। मंगलवार को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से रांची में मशाल जुलूस निकाला गया। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मामले में जवाब देने और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग की।

भाजपा की प्रमुख मांगों में इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराना शामिल था। खास बात यह रही कि सरकार का यह निर्णय उस दिन आया, जब कुछ घंटे पहले ही रांची के ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने मीडिया से बात करते हुए भरोसा दिलाया था कि रक्छ पूरे मामले की निष्पक्षता से



जांच कर रही है। इसी वजह से पिठोरिया थाना प्रभारी को लाइन हाजिर भी कर दिया गया है।

भाजपा के दबाव की वजह से मजबूर हुई सरकार : इधर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस फैसले पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने अपने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस फैसले को भाजपा के दबाव का नतीजा बताया है। आदित्य साहू का कहना है कि निशा भगत की आत्महत्या की खबर मिलते ही भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने सड़क पर उतरकर आंदोलन शुरू कर दिया था। एसटी मोर्चा ने पुतला दहन, मशाल जुलूस से लेकर चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की थी। एसटी मोर्चा सहित पूरी भाजपा ने सरकार पर लगातार दबाव बनाया।

आगामी दिनों में झारखंड बंद और कैंडल मार्च सहित कई आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की घोषणा की गई थी। भाजपा के इस लगातार आंदोलन का ही असर है कि राज्य सरकार को सीबीआई जांच की अनुशंसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा को भरोसा है कि सीबीआई जांच से निशा भगत के परिजनों को न्याय मिलेगा। इस मामले में जो भी दोषी होंगे, वे किसी भी सूरत में बच नहीं पाएंगे।

फेसबुक लाइव के बाद हुई थी निशा भगत की मौत : बता दें कि 6 नवंबर 2026 को रांची के पिठोरिया स्थित अपने आवास पर निशा भगत ने फेसबुक लाइव किया था। करीब 10 से 11 मिनट के इस वीडियो में उन्होंने आदिवासी अधिकारों, जमीन पर कथित कब्जे, जमीन माफिया और प्रशासनिक सहयोग नहीं मिलने जैसे मुद्दे उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि जमीन से जुड़े मामलों में आवाज उठाने के कारण उन्हें परेशान किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर कथित तौर पर उनकी छवि खराब किए जाने और उन्हें दलाल कहे जाने से भी वह आहत नजर आई थीं। इसके बाद उनकी मौत की खबर सामने आई थी। मौत के बाद उनके पिता ने थाने में लिखित शिकायत देकर प्रताड़ना, सामाजिक रूप से बदनाम करने और झूठे मुकदमों में फंसाने की साजिश के आरोप लगाए थे। शिकायत में ज्योत्सना केरकेट्टा और अजय तिर्की को नामजद किया गया था। साथ ही पिठोरिया थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए थे।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी लिया है संज्ञान : इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने झारखंड प्रशासन से सात दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। वहीं, भाजपा ने इसे आदिवासी सुरक्षा और राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ा मामला बताते हुए सरकार से जवाब मांगा था। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी सीबीआई जांच की मांग की थी।

दवा आपूर्ति के बकाया भुगतान से जुड़ी रिट याचिका हाईकोर्ट से निष्पादित

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने गोड्डा में दवा आपूर्ति के बकाया भुगतान से संबंधित रिट याचिका का निष्पादन कर दिया। न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता को पूरी बकाया राशि का भुगतान किया जा चुका है। ऐसे में मामले को आगे सुनवाई के लिए जारी रखने की आवश्यकता नहीं है।

बीरेंद्र कुमार सिंह की प्रोपराइटरशिप वाली फर्म पामा फार्मास्युटिकल्स ने यह याचिका दायर की थी। फर्म ने गोड्डा के सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी की ओर से वित्तीय वर्ष 2015-16 में जारी चार कार्यादेशों के तहत की गई दवा आपूर्ति के एवज में 19 लाख 59 हजार 456 रुपये 90 पैसे के बकाया भुगतान की मांग की थी।

सिविल सर्जन की ओर से दाखिल पूरक जवाबी हलफनामे में अदालत को बताया गया कि राशि आवंटित होने के बाद 24 सितंबर 2026 को याचिकाकर्ता के बैंक खाते में 19 लाख 20 हजार 267 रुपये हस्तांतरित किए गए। शेष 39 हजार 190 रुपये आयकर के रूप में काटे गए। भुगतान से संबंधित बिल और यूटीआर का विवरण भी अदालत में प्रस्तुत किया गया।

सुनवाई के दौरान अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद ने अदालत को बताया कि जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं करने के कारण 24 अगस्त 2026 के आदेश से सिविल सर्जन का वेतन रोक दिया गया था। भुगतान की जानकारी मिलने के बाद अदालत ने वेतन रोकने संबंधी अपना पूर्व आदेश वापस ले लिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अफसर रजा ने पक्ष रखा। अदालत ने याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता भी दी कि यदि इन्हीं कार्यों से संबंधित कोई शिकायत शेष है, तो वह कानून में उपलब्ध अन्य उपायों का सहारा ले सकता है। इसके साथ ही याचिका के साथ दायर आईए का भी निपटारा कर दिया गया।

सिविल सर्जन का रोका गया वेतन हाईकोर्ट ने किया बहाल

रांची : हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने गोड्डा में दवा आपूर्ति के बकाया भुगतान से संबंधित याचिका निष्पादित कर दी है। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता फर्म को भुगतान किया जा चुका है। इसके बाद मामले में आगे सुनवाई की आवश्यकता नहीं रह गई। सुनवाई के दौरान अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद ने बताया कि जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं करने पर 24 अगस्त 2026 के आदेश से सिविल सर्जन का वेतन रोक दिया गया था। अदालत ने भुगतान की पुष्टि के बाद वेतन रोकने का आदेश भी वापस ले लिया। बीरेंद्र कुमार सिंह की प्रोपराइटरशिप वाली पामा फार्मास्युटिकल्स ने वर्ष 2015-16 में गोड्डा के सिविल सर्जन की ओर से जारी चार कार्यादेशों के तहत दवाओं की आपूर्ति की थी।

फर्म ने इसके एवज में 19,59,456 रुपये के भुगतान की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सिविल सर्जन की ओर से दाखिल पूरक जवाबी हलफनामे में बताया गया कि आवंटन मिलने के बाद 24 सितंबर 2026 को फर्म के बैंक खाते में 19,20,267 रुपये ट्रांसफर कर दिए गए। शेष 39,190 रुपये आयकर के रूप में काटे गए थे। भुगतान से संबंधित बिल और यूटीआर का विवरण भी अदालत में पेश किया गया।

मानव-हाथी संघर्ष रोकने को तीन कॉरिडोर होंगे विकसित

रांची : झारखंड में बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष को कम करने और हाथियों के सुरक्षित आवागमन के लिए वन विभाग तीन प्रमुख हाथी कॉरिडोर को सुदृढ़ करने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत हाथियों के पारंपरिक रास्तों को फिर से विकसित करने, उनके लिए चारागाह और जल स्रोतों की व्यवस्था करने के साथ आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक शोध की मदद ली जाएगी। मंगलवार को वन भवन के विवेकानंद सभागार में वन विभाग, टाटा मोटर्स और जैव विविधता संरक्षण संस्था अरण्यक के संयुक्त सहयोग से इस संबंध में उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसमें झारखंड के चयनित 24 कॉरिडोर के प्रबंधन और संरक्षण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ रवि रंजन ने बताया कि पहले चरण में तीन कॉरिडोर चांडिल-माथा, दालापानी कालाजोर और एक इंटरनल कॉरिडोर महिलांग कालामाटी कॉरिडोर पर प्रमुखता से काम किया जाएगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह वन बल प्रमुख संजीव कुमार ने कहा कि मानव-हाथी संघर्ष कम करने के लिए हाथी कॉरिडोर का विकास बेहद जरूरी है। इसके साथ ही हाथियों के लिए चारागाह विकसित करने, जल प्रबंधन और स्थानीय लोगों के बीच जागरुकता अभियान चलाने की जरूरत है। इससे हाथियों को भोजन और पानी की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों में आने से रोका जा सकेगा। इसके लिए आयोजित बैठक में क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक स्मिता पंकज, मुख्य वन संरक्षक एसआर नटेश, डीएफओ श्रीकांत वर्मा, वन सांख्यिकी पदाधिकारी दिनेश झा समेत अन्य शामिल हुए।

पारंपरिक आवागमन मार्गों को पुनर्जीवित करने पर जोर : प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह कार्यकारी निदेशक बंजर भूमि विकास बोर्ड एटी मिश्रा ने हाथियों के पारंपरिक आवागमन मार्गों को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया। वहीं, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी रवि रंजन ने कहा कि हाथी कॉरिडोर को सुरक्षित और मजबूत बनाने के लिए वन विभाग के साथ रेल, पथ निर्माण और बिजली विभाग को भी समन्वय के साथ काम करना होगा। रेलवे ट्रैक, सड़क और बिजली के तारों से हाथियों को होने वाले खतरे को कम करने के लिए संबंधित विभागों की सहभागिता जरूरी है।

छठ महापर्व को लेकर झारखंड पुलिस पूरी तरह अलर्ट, सभी जिलों में पूरी की गई फोर्स की मांग,घाटों पर रहेगी विशेष निगरानी

संवाददाता

302

रांची: लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर झारखंड पुलिस ने सुरक्षा की व्यापक तैयारी की है। राज्यभर में छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। जिलों के पुलिस अधीक्षकों की ओर से सुरक्षा के लिए जितने अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की गई थी, उसे पूरा कर दिया गया है। इसके साथ ही छठ घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन को लेकर भी तैयारी की गई है।

चार दिनों तक विशेष सतर्कता : छठ महापर्व के दौरान 13 नवंबर को नहाय-खाय, 14 नवंबर को खरना, 15 नवंबर को संध्याकालीन अर्घ्य और 16 नवंबर को प्रातःकालीन अर्घ्य दिया जाएगा। इन चारों दिनों में पुलिस और प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। पुलिस मुख्यालय का उद्देश्य है कि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के छठ महापर्व मना सकें। इसके लिए पुलिस बल की तैनाती से लेकर



स्थानीय शांति समितियों के सहयोग तक सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

सभी जिलों को फोर्स उपलब्ध करवाया गया : आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता नरेंद्र सिंह ने बताया कि छठ पूरे देश में मनाया जाने वाला बहुत ही पवित्र पर्व है। इस पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना पुलिस की प्राथमिकता है। सभी जिलों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी ली गई है। जहां जितने पुलिस बल की आवश्यकता बताई गई थी, वहां उस मांग को पूरा कर दिया गया है। पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी भी तरह की गड़बड़ी करने वालों पर नजर रखी जा रही है।

शांति समिति के सदस्य भी रखेंगे नजर : नरेंद्र सिंह ने बताया कि छठ पर्व को लेकर विशेष रूप से शांति समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों में स्थानीय बुद्धिजीवियों और गणमान्य लोगों को शामिल किया गया है। उनसे पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करने और अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी रखने की अपील की गई है। किसी भी तरह की समस्या या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने को कहा गया है। पुलिस का मानना है कि स्थानीय लोगों के सहयोग से पर्व के दौरान बेहतर व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।

छठ घाटों की सफाई और सुरक्षा पर विशेष ध्यान : पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी निर्देश में छठ घाटों की स्थिति का पहले से निरीक्षण करने और वहां साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। खतरनाक घाटों की पहचान कर वहां बैरिकेडिंग, गोताखोर, नाव और सुरक्षा से जुड़े जरूरी इंतजाम करने का निर्देश दिया गया है। नदी, तालाब और डैम में पानी की अधिक गहराई वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है, ताकि अर्घ्य देने के दौरान किसी तरह की दुर्घटना न हो। घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के साथ जन सूचना प्रणाली भी दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है।

महिलाओं की सुरक्षा और असामाजिक तत्वों पर नजर

छठ घाटों पर बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां पहुंचती हैं। इसे देखते हुए महिला सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस की गश्ती बढ़ाई जाएगी। छिनतई, चोरी, छेड़खानी और अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। जरूरत के अनुसार सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी निगरानी करेंगे।

नो क्राइम रिकार्ड, फिर भी पुलिस अलर्ट : आईजी नरेंद्र सिंह ने कहा कि छठ के दौरान सामान्य तौर पर अपराध की घटनाएं कम देखने को मिलती हैं, लेकिन फिर भी पुलिस लगातार सतर्क रहेगी और हर स्थिति पर नजर रखेगी और किसी भी तरह की शरारत या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

यातायात से लेकर अस्पताल तक की तैयारी : छठ के दौरान घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर श्रद्धालुओं और वाहनों की भीड़ बढ़ जाती है। इसे देखते हुए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है। भीड़ वाले इलाकों में भारी वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा आपात स्थिति से निपटने के लिए अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्था की समीक्षा करने, अग्निशमन दस्ते को तैयार रखने और सभी जिलों में नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया है। सोशल मीडिया पर भी पुलिस की नजर रहेगी, ताकि किसी तरह की अफवाह या भ्रामक सूचना फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश न हो।

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत चुनावी कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

30 नवंबर को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची, लापरवाही पर निलंबन की चेतावनी

तीन दिनों में कार्य सुधारने का अल्टीमेटम, बुंडू के एलआरडीसी और सीओ को शोकॉज

रांची : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि 30 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होना है। इससे पहले सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची की गहन जांच कर त्रुटियों और विसंगतियों को दूर करें। कार्य में लापरवाही और शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी और जिला उपनिर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त ने अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए शेष कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान



प्राप्त प्रपत्रों, नोटिस, सुनवाई से संबंधित दस्तावेजों और निष्पादन प्रतिवेदनों का व्यवस्थित संधारण किया जाए। सभी अभिलेखों का वर्गीकरण और सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें, ताकि जरूरत पड़ने पर दस्तावेज आसानी से उपलब्ध हो सकें।

तार्किक विसंगति और नो मैपिंग के मामलों का जल्द करें निष्पादन : उपायुक्त ने तार्किक विसंगति और नो मैपिंग से जुड़े लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए उनका त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी निर्धारित समय-सीमा का पालन करें। कार्य के दौरान किसी तरह की परेशानी आने पर तत्काल जानकारी दें, ताकि उसका समय रहते समाधान किया जा सके।

तीन दिनों में सुधार नहीं तो निलंबन की कार्रवाई : समीक्षा के दौरान कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उपायुक्त ने बुंडू की एलआरडीसी छवि बाला और अंचल अधिकारी हंस हेम्ब्रम को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले तीन दिनों में कार्य में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा जिले के औसत प्रदर्शन से नीचे रहने वाले सभी विधानसभा क्षेत्रों के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मियों के कार्यों की नियमित निगरानी करने को कहा गया। बैठक में प्रपत्र-6 के निष्पादन की भी समीक्षा की गई।

तालाबों और छठ घाटों की सफाई का निर्देश : बैठक में छठ महापर्व की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों के तालाबों एवं छठ घाटों की साफ-सफाई का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने छठ समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा।

हेहल सोहराय जतरा महोत्सव में शामिल हुए रक्षा राज्य मंत्री

रांची : झारखंड की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपरा और लोकआस्था के प्रतीक सोहराय महापर्व के अवसर पर हेहल जतरा स्थल में आयोजित हेहल सोहराय जतरा महोत्सव में रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक उत्सव में सहभागिता की और क्षेत्रवासियों को सोहराय पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संजय सेठ ने कहा कि सोहराय केवल एक पर्व नहीं, बल्कि झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान और जनजातीय जीवन-दर्शन का जीवंत उत्सव है। यह पर्व हमें अपनी कृषि परंपराओं, पशुधन के महत्व और प्रकृति के प्रति प्रेम, सम्मान एवं कृतज्ञता का संदेश देता है। हमारी लोकसंस्कृति और परंपराएं ही हमारी असली पहचान हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। महोत्सव के आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली मेला समिति की बहनों (दीदियों) को श्री संजय सेठ ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हमारी बहनें अपनी सक्रिय भागीदारी, परिश्रम और समर्पण से न केवल ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को सफल बनाती हैं, बल्कि हमारी परंपराओं और सामाजिक विरासत को भी सहेजने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं।

कार्यालय: जिला शिक्षा अधीक्षक, लातेहार
समाहरणालय परिसर,द्वितीय तल्ला,लातेहार
Email id :- mdm21lthr@gmail.com

Counseling of following candidate is scheduled on 12/11/2026
Time 10:00 AM
AT DSE OFFICE LATEHAR

क0	अभ्यर्थी का नाम	लिंग	पिता/पति का नाम	पंजियन संख्या
1.	सजदा खातून	स्त्री	शेख फजलूद्दीन	144994732
2.	अर्चना झा	स्त्री	राखो हरि झा	156126803
3.	रूकैया प्रवीण	स्त्री	मो0 असरफ	114139672
4.	अफरोज अंसारी	पुरूष	जैनुल आबेदिन अंसारी	139301353
5.	सोफिया बेंग	स्त्री	बेंजामिन बेंग	111723415
6.	संगीता कुमारी	स्त्री	जगदीष साह	122115234

PR 393657 Human Resource Developement(26-27).D

जिला शिक्षा अधीक्षक, लातेहार

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

प्रतिबंध नहीं, सुरक्षित डिजिटल संसार की जरूरत

इक्कीसवीं सदी में इंटरनेट केवल मनोरंजन या संवाद का माध्यम नहीं रह गया है बल्कि शिक्षा, सूचना, अभिव्यक्ति और सामाजिक सहभागिता का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। विशेषकर बच्चों के लिए डिजिटल दुनिया ज्ञान के नए द्वार खोलती है। ऐसे समय में बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह वंचित करना उनके विकास के अवसरों को सीमित करने जैसा है। सर्वोच्च न्यायालय ने बच्चों की इंटरनेट तक पहुँच के अधिकार से जुड़े अपने दृष्टिकोण में स्पष्ट किया है कि सुरक्षा के नाम पर व्यापक और एकमुश्त प्रतिबंध उचित समाधान नहीं हो सकते। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ं) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अनुच्छेद 21 के तहत जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की व्यापक व्याख्या में डिजिटल पहुँच का महत्व भी सामने आता है। हालांकि, इस अधिकार का अर्थ यह नहीं है कि बच्चों को बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के इंटरनेट की खुली छूट दे दी जाए।

बच्चों के शैक्षणिक विकास में इंटरनेट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज डिजिटल पुस्तकालय, ऑनलाइन कक्षाएँ, शैक्षणिक वीडियो, आभासी प्रयोगशालाएँ और विभिन्न शिक्षण मंच पारंपरिक शिक्षा के पूरक बन चुके हैं। केंद्र सरकार के दीक्षा (ऊक्ष्ड-रल्ऊअ) मंच और पीएम ई-विद्या जैसी पहल ने डिजिटल शिक्षा को व्यापक बनाने में योगदान दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए इंटरनेट गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री तक पहुँच का माध्यम बन सकता है। जिन विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक, पुस्तकालय या अन्य संसाधन उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ डिजिटल माध्यम शिक्षा की कमियों को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं।

इंटरनेट बच्चों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखता बल्कि उनकी रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को भी प्रोत्साहित करता है। वे विज्ञान, साहित्य, इतिहास, पर्यावरण, कला और तकनीक जैसे विषयों पर अपनी रुचि के अनुसार जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अपनी कविताएँ, कहानियाँ, चित्र और विचार साझा कर सकते हैं। इससे उनमें अभिव्यक्ति का आत्मविश्वास और संवाद की क्षमता विकसित होती है।

सूचना का अधिकार भी इंटरनेट के माध्यम से अधिक प्रभावी बनता है। बच्चे अपने आसपास की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं को समझकर जागरूक नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। डिजिटल पहुँच समावेशी शिक्षा के लिए भी आवश्यक है। दिव्यांग बच्चों के लिए स्क्रीन रीडर, ऑडियो पुस्तकें, सांकेतिक भाषा आधारित सामग्री और अन्य सहायक तकनीकें शिक्षा को अधिक सुलभ बनाती हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को भी देश-दुनिया के शैक्षणिक संसाधनों से जुड़ने का अवसर मिलता है। इंटरनेट डिजिटल साक्षरता विकसित करता है, जो भविष्य के रोजगार और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल बन चुकी है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन शोध, डिजिटल संचार और तकनीकी नवाचार के दौर में बच्चों को डिजिटल दुनिया से दूर रखना उनके भविष्य की संभावनाओं को कमजोर कर सकता है।

हालाँकि, इंटरनेट के लाभों के साथ गंभीर चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा आज अभिभावकों, शिक्षकों, सरकार और डिजिटल मंचों के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। ऑनलाइन यौन शोषण, बच्चों को बहला-फुसलाकर अनुचित गतिविधियों में शामिल करना, साइबर बुलिंग, अश्लील सामग्री, फर्जी पहचान और डिजिटल धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। कई बार बच्चे अनजान व्यक्तियों से संपर्क में आ जाते हैं और अपनी निजी जानकारी, तस्वीरें या स्थान संबंधी विवरण साझा कर देते हैं। इसका दुरुपयोग उनके मानसिक और सामाजिक जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।

साइबर बुलिंग भी एक गंभीर समस्या है। सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियाँ, धमकियाँ, मजाक उड़ाना और निजी तस्वीरों का दुरुपयोग बच्चों के आत्मविश्वास तथा मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल मंचों द्वारा बच्चों के व्यवहार, पसंद और व्यक्तिगत जानकारी का अत्यधिक संग्रह उनकी निजता के अधिकार के लिए चुनौती है।

एल्गोरिदम आधारित सामग्री बच्चों को लगातार स्क्रीन पर बनाए रखने का प्रयास करती है, जिससे उनकी पढ़ाई, नींद, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए समाधान इंटरनेट पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने में नहीं बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल वातावरण तैयार करने में निहित है। सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार आधारित दृष्टिकोण का मूल संदेश भी यही है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले उपाय तर्कसंगत, आनुपातिक और उद्देश्य के अनुरूप होने चाहिए। किसी विशेष खतरे के समाधान के नाम पर सभी बच्चों की इंटरनेट पहुँच समाप्त कर देना उचित नहीं है। प्रतिबंधों के बजाय जोखिम के अनुसार सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए। सबसे पहले, डिजिटल मंचों को बच्चों के अनुकूल बनाया जाना आवश्यक है। बच्चों के खातों में निजता संबंधी व्यवस्थाएँ पहले से सुरक्षित होनी चाहिए। अनजान व्यक्तियों के संदेशों, अनुचित संपर्कों और संवेदनशील सामग्री तक पहुँच को सीमित करने की व्यवस्था होनी चाहिए। बच्चों के व्यक्तिगत आँकड़ों का अनावश्यक संग्रह और व्यावसायिक उपयोग रोका जाना चाहिए। आयु के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराने और हानिकारक सामग्री की पहचान करने के लिए प्रभावी तकनीकी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए। दूसरा, अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चों पर केवल निगरानी रखने के बजाय उनके साथ विश्वास और संवाद का संबंध विकसित करना होगा। उन्हें समझाना होगा कि इंटरनेट पर प्रत्येक व्यक्ति विश्वसनीय नहीं होता और निजी जानकारी साझा करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। अभिभावकीय सहमति, आयु के अनुरूप नियंत्रण और समय-समय पर संवाद के माध्यम से बच्चों को जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार सिखाया जा सकता है। बच्चों की निजता और स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए मार्गदर्शन देना आवश्यक है। तीसरा, डिजिटल सुरक्षा को विद्यालयी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (ठउएफ्ळ) तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषदों (रउएफ्ळ) के माध्यम से साइबर सुरक्षा, डिजिटल शिष्टाचार, ऑनलाइन धोखाधड़ी, निजता और सूचना की सत्यता से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। बच्चों को यह भी सिखाना होगा कि इंटरनेट पर उपलब्ध प्रत्येक जानकारी सही नहीं होती। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अनुचित संपर्क की स्थिति में उन्हें बिना भय के अभिभावकों और शिक्षकों को बताने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। चौथा, डिजिटल मंचों की जवाबदेही सुनिश्चित करना अनिवार्य है। बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री की पहचान, उसे हटाने और संबंधित एजेंसियों तक सूचना पहुँचाने के लिए प्रभावी तंत्र होना चाहिए। साइबर अपराधों की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया सरल और बच्चों के अनुकूल बनाई जानी चाहिए। बाल हेल्पलाइन 1098 और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल जैसी व्यवस्थाओं के बारे में बच्चों तथा अभिभावकों को जागरूक करना चाहिए। पुलिस, विद्यालयों और बाल संरक्षण संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है। अंततः, बच्चों को इंटरनेट से दूर रखना उनके भविष्य को सुरक्षित करने का स्थायी उपाय नहीं है।

कैंसर के महंगे इलाज पर मोदी सरकार का निर्णायक वार

वस्तुतः ट्रेड मार्जिन का आशय निमार्ता से दवा वितरक तक पहुंचने वाली कीमत और मरीज को बेची जाने वाली खुदरा कीमत के बीच के अंतर से है। इस अंतर में वितरण और खुदरा कारोबार से जुड़े व्यापारिक लाभ शामिल होते हैं। कई दवाओं के मामले में यही अंतर अंतिम कीमत को काफी महंगा बना देता है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जिस कैंसर के इलाज में महंगी दवाओं का खर्च अक्सर परिवारों की जीवनभर की जमा पूंजी तक खत्म कर देता है, उसी दवा बाजार के मुनाफे पर केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा प्रहार किया है। वस्तुतः स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार का यह हस्तक्षेप बताता है कि गंभीर बीमारियों के उपचार को आर्थिक रूप से सुलभ बनाने के लिए दवा बाजार के व्यापारिक मुनाफे पर नियंत्रण भी उतना ही जरूरी है जितना चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार।

एक तरह से देखा जाए तो देश में आधुनिक कैंसर उपचार में इस्तेमाल होने वाली कई दवाएं इतनी महंगी हैं कि सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए उनका नियमित इस्तेमाल कठिन हो जाता है। ऐसे में मोदी सरकार ने दवा की कीमतों में कमी लाने के लिए सीधे उस व्यवस्था पर हस्तक्षेप किया है, जहां निमार्ता से लेकर वितरक और खुदरा विक्रेता तक जुड़ने वाला व्यापारिक लाभ अंतिम कीमत को प्रभावित करता है। केंद्र सरकार ने 1,364 एंटी-कैंसर दवा फॉर्मूलेशन की कीमतों में भारी कटौती करते हुए कुछ दवाओं के दाम 96.45 प्रतिशत तक घटा दिए हैं। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने 137 एंटी-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर 30 प्रतिशत की अधिकतम सीमा निर्धारित की है। वस्तुतः ट्रेड मार्जिन का आशय निमार्ता से दवा वितरक तक पहुंचने वाली कीमत और मरीज को बेची जाने वाली खुदरा कीमत के बीच के अंतर से है। इस अंतर में वितरण और खुदरा कारोबार से जुड़े व्यापारिक लाभ शामिल होते हैं। कई दवाओं के मामले में यही अंतर अंतिम कीमत को काफी महंगा बना देता है। नई व्यवस्था के तहत इन दवाओं का अधिकतम खुदरा मूल्य मार्च 2026 के औसत वितरक मूल्य को आधार बनाकर निर्धारित किया गया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में पारदर्शिता लाना और मरीजों पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक बोझ को कम करना है। अब एनपीपीए के आंकड़े इस फैसले के व्यापक प्रभाव को स्पष्ट करते हैं। 85 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं से संबंधित 1,364 एंटी-कैंसर फॉर्मूलेशन की संशोधित कीमतों की जानकारी दी है। इनमें 679 ब्रांड ऐसे हैं, जिनकी कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है। सबसे बड़ी कटौती 96.45 प्रतिशत दर्ज की गई है। बेवेसिजुमैब 100 एमजी इंजेक्शन के ब्रांड ब्रिक्स्टा की कीमत 25,995 रुपये से घटाकर 3,318 रुपये कर दी गई है।

इसी औषधीय घटक वाले रिलायंस लाइफ साइंसेज के बेवासीरेल की कीमत 24,079 रुपये से घटकर 3,985 रुपये रह गई है। प्रोस्टेट कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली एबिराटेरोन एसीटेट 250 एमजी टैबलेट के ब्रांड एबिरोन की कीमत 41,250 रुपये से घटाकर 3,218.23 रुपये कर दी गई है। स्तन कैंसर के उपचार में उपयोगी फुलवेस्ट्रेंट इंजेक्शन के ब्रांड फासनॉर्म का अधिकतम खुदरा मूल्य 30,421.87 रुपये से घटकर 3,671.73 रुपये हो गया है। इसी प्रकार रक्त कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली एजासिटिडीन इंजेक्शन की कीमत 7,790 रुपये से घटाकर 1,397 रुपये कर दी गई है। इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसके दायरे में आधुनिक कैंसर उपचार में इस्तेमाल होने वाली कई महंगी दवाएं शामिल हैं। इनमें पेम्ब्रोलिजुमैब, डुरवालुमैब और ओसिमर्टिनिब जैसी दवाएं प्रमुख हैं। इनका उपयोग रोग की प्रकृति और मरीज की चिकित्सकीय स्थिति के अनुसार विभिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में किया जाता है।

इसके अतिरिक्त बेवेसिजुमैब, डेनोसुमैब और पेगफिलग्रास्टिम जैसी दवाओं को भी मूल्य नियंत्रण के दायरे में लाया गया है। बेवेसिजुमैब का इस्तेमाल कोलोन, ओवरी और सर्वाइकल कैंसर सहित विभिन्न कैंसर के उपचार में किया जाता है। डेनोसुमैब का उपयोग हड्डियों से जुड़ी जटिलताओं के प्रबंधन में और पेगफिलग्रास्टिम का इस्तेमाल कीमोथेरेपी के दौरान श्वेत रक्त कोशिकाओं में कमी से बचाव के लिए किया जाता है। सूची में पेटेंट वाली दवाओं को शामिल करना भी महत्वपूर्ण है। इससे आधुनिक उपचार पद्धतियों में इस्तेमाल होने वाली महंगी दवाओं के खुदरा मूल्य पर नियंत्रण का दायरा विस्तृत हुआ है।

वैसे कैंसर की दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर नियंत्रण की शुरूआत मोदी सरकार के रहते हुए वर्ष 2019 में हुई थी। उस समय एनपीपीए ने 42 गैर-अनुसूचित एंटी-कैंसर दवाओं के व्यापारिक मार्जिन को 30 प्रतिशत तक सीमित किया था। इसके बाद 526 ब्रांडों की कीमतों में कमी दर्ज की गई थी। अब वर्ष 2026 में सरकार ने इस व्यवस्था का विस्तार करते हुए 137 दवाओं को इसके दायरे में शामिल किया है। वस्तुतः यह कदम भारत की व्यापक औषधि मूल्य नियंत्रण नीति से भी जुड़ा है। ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (डीपीसीओ), 2013 के तहत आवश्यक औषधियों की अधिकतम कीमत निर्धारित करने और अन्य दवाओं के मूल्य की निगरानी का प्रावधान है। राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची 2022 में 388 औषधियां शामिल हैं, जिनमें 63 कैंसर-रोधी दवाएं हैं। इन अनुसूचित दवाओं की कीमतें सरकार द्वारा निर्धारित की जाती हैं। नई ट्रेड मार्जिन व्यवस्था गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर भी मूल्य नियंत्रण का प्रभाव बढ़ाती है। इसके साथ प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं कम कीमतों पर उपलब्ध कराने का प्रयास भी जारी है। इन पहलों का साझा उद्देश्य दवाओं की कीमतों में अंतर कम करना और आम नागरिकों के लिए उपचार की आर्थिक पहुंच बढ़ाना है। दवाओं की कीमतों में कटौती के साथ उनकी उपलब्धता और सरकारी आदेशों का प्रभावी क्रियान्वयन भी महत्वपूर्ण है। संशोधित कीमतें लागू होने के बाद दवा कंपनियों को नई मूल्य सूची वितरकों, मेडिकल स्टोर और अस्पतालों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों की फामेर्सी को भी संशोधित एमआरपी प्रदर्शित करनी होगी। राज्य औषधि नियंत्रकों को आदेश के अनुपालन की निगरानी का दायित्व सौंपा गया है। दवा कंपनियों से उत्पादन और आपूर्ति का मौजूदा स्तर बनाए रखने को भी कहा गया है, ताकि मूल्य कटौती के बाद बाजार में दवाओं की उपलब्धता प्रभावित होने की आशंका पैदा न हो।

मरीज दवा के पैक पर छपी संशोधित एमआरपी देख सकते हैं। 'फार्मा सही दाम' मोबाइल ऐप और एनपीपीए की वेबसाइट nppa.gov.in पर भी कीमतों की पुष्टि की जा सकती है। किसी मेडिकल स्टोर या अस्पताल की फामेर्सी द्वारा निर्धारित एमआरपी से अधिक राशि वसूलने पर 'फार्मा जन समाधान' पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इसके लिए एनपीपीए की हेल्पलाइन 1800-111-255 भी उपलब्ध है।

वस्तुतः इस मामले में कहना यही होगा कि कैंसर के खिलाफ लड़ाई में मरीज और उसका परिवार पहले ही शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से कठिन दौर से गुजरता है। ऐसे समय में हजारों और कई मामलों में लाखों रुपये की दवाओं का खर्च कम होना किसी परिवार के लिए बड़ी राहत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का यह फैसला स्वास्थ्य नीति को आम आदमी की आर्थिक जरूरतों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। दवा कंपनियों के व्यापारिक मार्जिन पर सीमा तय करके सरकार ने स्पष्ट किया है कि जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों के निर्धारण में मरीजों के हित और उनकी आर्थिक क्षमता को प्राथमिकता मिलनी ही चाहिए। सो, सरकार उस प्राथमिकता को केंद्र में रखकर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के लिए ऐतिहासिक चर्च में उठे हाथ के गहरे संदेश

ट्रिनिटी चर्च की 121 साल की यात्रा हमें यह भी याद दिलाती है कि देश की राजधानी का इतिहास किसी एक समुदाय की कहानी नहीं है। इसे हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों, ईसाइयों और दूसरे समुदायों ने मिलकर बनाया है। इस शहर की असली पहचान इसकी गंगा-जमुनी संस्कृति और विविधता में एकता रही है।

विवेक शुक्ला

राजधानी की ऐतिहासिक होली ट्रिनिटी चर्च के 121 स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम से बेहद सकारात्मक संदेश निकला। यहां बीती 7 नवंबर को आयोजित विशेष प्रार्थना सभा में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए भी दुआ मांगी गई। कामना की गई कि उनके नेतृत्व में भारत विकास के रास्ते पर लगातार आगे बढ़ता रहे और देश के लोगों का जीवन बेहतर हो। यह एक छोटी-सी बात लग सकती है लेकिन इसके मायने बहुत बड़े हैं। किसी धार्मिक स्थल से देश के प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की प्रार्थना होना बताता है कि धार्मिक आस्था और राष्ट्रीय जिम्मेदारी एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। सरकार किसी भी राजनीतिक दल की हो, देश की तरक्की हर नागरिक की साझा आकांक्षा होनी चाहिए।

ट्रिनिटी चर्च में हुई प्रार्थना को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की जरूरत है। चर्च में सारे देश के साथ-साथ प्रधानमंत्री के लिए दुआ मांगना केवल एक औपचारिक धार्मिक परंपरा नहीं है। यह देश के प्रति जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति सम्मान का भी प्रतीक है। किसी भी देश में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री संवैधानिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण पदों पर होते हैं। उनके सफल नेतृत्व और देश की खुशहाली की कामना करना किसी राजनीतिक दल का समर्थन करना नहीं है।

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में ऐसे संदेशों की जरूरत हमेशा बनी रहेगी। यहां अलग-अलग धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग रहते हैं। उनकी पूजा-पद्धति अलग हो सकती है लेकिन देश के भविष्य को लेकर उनकी उम्मीदें एक जैसी हैं। हर नागरिक चाहता है कि भारत आर्थिक रूप से मजबूत हो, युवाओं को रोजगार मिले, बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले और समाज में शांति बनी रहे।

ट्रिनिटी चर्च की 121 साल की यात्रा हमें यह भी याद दिलाती है कि देश की राजधानी का इतिहास किसी एक समुदाय की कहानी नहीं है। इसे हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों, ईसाइयों और दूसरे समुदायों ने मिलकर बनाया है। इस शहर की असली पहचान इसकी गंगा-जमुनी संस्कृति और विविधता में एकता रही है। चर्च की वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री के लिए की गई प्रार्थना इसी भारतीय भावना को मजबूत करती है। देश को आज ऐसे ही सकारात्मक संदेशों की जरूरत है। होली ट्रिनिटी चर्च के फादर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हमारी चर्च में मोदीजी के लिए दुआ मांगना लाजिमी है, आखिरकार देश उनके नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। मंदिर में हो या मस्जिद में, गुरुद्वारे में हो या चर्च में, जब प्रार्थना पूरे देश की खुशहाली के लिए होती है, तब उसका संदेश किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं रहता।

बेशक, आज जब छोटी-छोटी बातों पर समाज में दूरियां बढ़ाने की कोशिशें होती रहती हैं, तब एक चर्च से निकला यह संदेश खास महत्व रखता है। भारत की खूबसूरती ही यही है कि यहां मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च केवल पूजा के स्थान नहीं हैं। वे समाज को जोड़ने और एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव पैदा करने का काम भी करते हैं।

1905 में रखी गई थी चर्च की नींव : होली ट्रिनिटी चर्च का इतिहास भी कम दिलचस्प नहीं है। यह चर्च पुरानी दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में स्थित है। इसका निर्माण ब्रिटिश शासन के दौरान हुआ था। 7 नवंबर 1905 को इस चर्च को विधिवत प्रतिष्ठित किया गया था।

इस तरह यह चर्च दिल्ली के इतिहास के एक ऐसे दौर से जुड़ा है, जब पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली के बीच एक नया शहरी विस्तार आकार ले रहा था। चर्च की इमारत आज भी अपने पुराने स्थापत्य और ऐतिहासिक पहचान को संभाले हुए है। यहां की एक और विशेषता इसका भाषाई और सांस्कृतिक जुड़ाव है। यहां हिंदी के साथ उर्दू में भी प्रार्थना की परंपरा रही है। चर्च में उर्दू लिपि में लिखी पुरानी धार्मिक पुस्तकों का संग्रह भी है। यह बात बताती है कि ईसाई समुदाय ने अपनी धार्मिक पहचान को बनाए रखते हुए स्थानीय भाषाओं और संस्कृति के साथ भी गहरा रिश्ता कायम किया।

भारत में ईसाइयों का योगदान और उसका इतिहास काफी पुराना है। केरल में सेंट थॉमस ईसाई परंपरा की जड़ें पहली शताब्दी तक जाती हैं। मान्यता है कि ईसा मसीह के शिष्य सेंट थॉमस 52 ईस्वी में भारत आए थे। समय के साथ ईसाई समुदाय देश के अलग-अलग हिस्सों में फैला। गोवा, केरल, तमिलनाडु, पूर्वोत्तर भारत और देश के अनेक दूसरे क्षेत्रों में इस समुदाय ने अपनी अलग पहचान बनाई।

उन्नीसवीं सदी में जब लड़कियों की शिक्षा को लेकर समाज में अनेक तरह की बंदिशें थीं, तब ईसाई संस्थाओं ने लड़कियों के लिए स्कूल और कॉलेज खोले। सेरामपुर कॉलेज की स्थापना 1818 में हुई। स्कॉटिश मिशनरी अलेक्जेंडर डफ ने 1830 में कलकत्ता में आधुनिक शिक्षा के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण पहल की।

स्वास्थ्य सेवाओं में भी ईसाई संस्थाओं की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। देश के अनेक हिस्सों में चर्च से जुड़े अस्पतालों, नर्सिंग संस्थानों और स्वास्थ्य केंद्रों ने गरीबों और जरूरतमंदों को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराईं। यह भी याद रखना चाहिए कि ईसाई समुदाय के अनेक लोगों ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक सुधार के प्रयासों में भी सक्रिय भूमिका निभाई। सी.एफ. एंड्रयूज इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। आशा की जानी चाहिए कि धार्मिक स्थलों से देश की खुशहाली के लिए दुआएं मांगी जाती रहेंगी।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

परिवार: क्यों टूटता जा रहा है भारतीय समाज का सर्वोत्तम विद्यालय?

हरियाणा के पानीपत से सामने आई एक घटना ने भारतीय समाज की पारिवारिक व्यवस्था, रिश्तों की संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिया है। मध्य प्रदेश के सिंगरौली निवासी 65 वर्षीय सुशील कुमार सिंह की मौत के बाद उनके अंतिम संस्कार के लिए परिवार का कोई सदस्य पानीपत नहीं पहुंचा, बताया गया कि उनकी पांच बेटियां हैं। पत्नी बीमार रहती हैं, तीन बेटियों की शादी हो चुकी है और दो अविवाहित हैं। सुशील कुमार पहले पानीपत रिफाइनरी में नौकरी करते थे और ददलाना गांव की राधास्वामी कॉलोनी में रह रहे थे। अचानक सीने में दर्द होने के बाद उनकी मृत्यु हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और परिजनों से संपर्क किया। पोस्टमार्टम के बाद परिवार को अंतिम संस्कार के लिए बुलाया गया लेकिन दूरी और असमर्थता का हवाला देकर कोई नहीं पहुंचा। सामाजिक संगठन जनसेवा दल के सदस्यों ने परिवार से संपर्क कर उन्हें पानीपत आने-जाने का खर्च देने की पेशकश भी की लेकिन परिजन आने को तैयार नहीं हुए। अंततः उनकी इच्छा के अनुसार जनसेवा दल के सदस्यों ने पूरे विधि-विधान से सुशील कुमार सिंह का अंतिम संस्कार किया। बेटियों ने वीडियो कॉल के माध्यम से पिता की अंतिम विदाई देखी। यहां तक कि अंतिम संस्कार के बाद अस्थियां लेने आने में भी परिजनों ने असमर्थता जताई, यह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु और उसके अंतिम संस्कार तक सीमित नहीं है। यह हमारे समय के सामाजिक यथार्थ का ऐसा आईना है, जिसमें रिश्तों की बदलती परिभाषा, पारिवारिक जिम्मेदारियों का कमजोर होता भाव और मनुष्यता के सामने खड़े अनेक प्रश्न दिखाई देते हैं। भारतीय संस्कृति में परिवार केवल साथ रहने वाले लोगों का समूह नहीं बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व निर्माण की पहली और सर्वोत्तम पाठशाला माना गया है। इसी पाठशाला में बच्चा प्रेम, त्याग, सहयोग, अनुशासन, सद्भाव और जिम्मेदारी का पहला पाठ सीखता था। दादा-दादी की कहानियां, नाना-नानी का स्नेह, चाचा-चाची का अपनापन, फुआ-मौसी का दुलार और भाई-बहनों का साथ उसके भीतर सामाजिकता का भाव विकसित करते थे। परिवार ही वह स्थान था, जहां व्यक्ति को यह समझाया जाता था कि जीवन केवल अपने लिए जीने का नाम नहीं बल्कि दूसरों के सुख-दुख में सहभागी बनने का भी नाम है लेकिन आज प्रश्न उठता है कि क्या भारतीय समाज की यह सर्वोत्तम पाठशाला धीरे-धीरे बिखरती जा रही है? क्या परिवार का अर्थ केवल एक छत के नीचे रहने और आर्थिक जिम्मेदारियां पूरी करने तक सिमट गया है? क्या रिश्तों के बीच भावनात्मक दूरी इतनी बढ़ गई है कि जीवन-मरण जैसे अवसरों पर भी आत्मीयता का बोध कमजोर पड़ने लगा है? इन सवालों का उत्तर तलाशने के लिए हमें बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश को समझना होगा।

आधुनिक जीवन ने मनुष्य को अनेक सुविधाएं दी हैं। शिक्षा, रोजगार, तकनीक और बेहतर जीवन की आकांक्षा ने उसे गांव से शहर और एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचाया है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। रोजगार की तलाश में बच्चे माता-पिता से दूर रहने लगे हैं। व्यस्त दिनचर्या और प्रतिस्पर्धा ने लोगों के पास समय कम कर दिया है। मोबाइल और इंटरनेट ने दूरियों को तकनीकी रूप से कम जरूर किया है लेकिन कई बार दिलों के बीच की दूरी बढ़ा दी है। आज एक ही घर में रहने वाले सदस्य भी एक-दूसरे के साथ बैठकर बातचीत करने का समय नहीं निकाल पाते। पारिवारिक संवाद कम हो रहा है। बुजुर्गों के अनुभवों को सुनने और उनसे सीखने की परंपरा कमजोर पड़ रही है। रिश्तों में आत्मीयता की जगह औपचारिकता बढ़ती दिखाई दे रही है। आज के समाज में सफलता का पैमाना काफी हद तक पैसा, पद, प्रतिष्ठा और भौतिक सुविधाएं बनता जा रहा है। अच्छी नौकरी, बड़ा मकान, महंगी गाड़ी और बेहतर जीवनशैली की दौड़ में मनुष्य लगातार भाग रहा है। इस दौड़ में कहीं न कहीं भावनात्मक संबंधों के लिए आवश्यक समय और संवेदनशीलता पीछे छूटती जा रही है। पैसा जीवन की आवश्यकता है लेकिन वह रिश्तों का विकल्प नहीं हो सकता। माता-पिता ने अपने बच्चों के भविष्य के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उनकी शिक्षा, विवाह और जीवन की जरूरतों को पूरा करने में इच्छाओं का त्याग किया। वृद्धावस्था में उन्हें सबसे अधिक जरूरत आर्थिक सहायता से कहीं ज्यादा सम्मान, संवाद और भावनात्मक सहारे की होती है। यह भी ध्यान रखना होगा कि माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी बेटे और बेटियां, दोनों की है।

पानीपत की घटना का एक दूसरा पक्ष भी प्रेरणादायक है। जब परिवार का कोई सदस्य अंतिम संस्कार के लिए उपस्थित नहीं हुआ तब जनसेवा दल के सदस्यों ने आगे बढ़कर एक अजनबी व्यक्ति को सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दी। यह मानवीय संवेदना का ऐसा उदाहरण है जो बताता है कि समाज में मनुष्यता अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। जिन लोगों ने सुशील कुमार सिंह का अंतिम संस्कार किया, उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी व्यक्ति की अंतिम यात्रा में उसकी सामाजिक पहचान, आर्थिक स्थिति या पारिवारिक उपस्थिति से अधिक महत्वपूर्ण उसकी मानवीय गरिमा है। किसी अजनबी के अंतिम संस्कार का दायित्व निभाना केवल सामाजिक सेवा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के मानवीय मूल्यों का जीवंत उदाहरण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवारों में संवाद और संवेदनशीलता को फिर से स्थान दिया जाए। बच्चों को केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने की शिक्षा न दी जाय बल्कि उन्हें रिश्तों का महत्व, बुजुर्गों के प्रति सम्मान, सामाजिक उत्तरदायित्व और दूसरों के दुख में सहभागी बनने का संस्कार भी दिया जाय।

-डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

छठ व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए : पंकज मिश्रा

संवाददाता



साहिबगंज : लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ को लेकर साहिबगंज में तैयारियां तेज हो गई हैं। गंगा घाटों पर आस्था के इस महापर्व को भव्य,सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन से लेकर नगर परिषद तक पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है।शहर के विभिन्न छठ घाटों की साफ-सफाई, सजावट,रोशनी और गंगा में बैरिकेडिंग का काम जोर-शोर से कराया जा रहा है।इसी कड़ी में झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता सह विकास पुरुष पंकज मिश्रा ने जिले के उपायुक्त दीपक कुमार दुबे, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ साहिबगंज के विभिन्न छठ घाटों का सघन निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा,सुरक्षा और घाटों की व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण की शुरूआत संत जेवियर्स स्कूल के नीचे स्थित बाबा घाट से हुई। यहां पंकज मिश्रा ने घाट की साफ-सफाई और मां गंगा की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।मौके पर मौजूद नगर परिषद के प्रशासक अभिषेक सिंह को घाटों की बेहतर सफाई, व्यवस्थित बैरिकेडिंग और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। इसके बाद झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा जिला प्रशासन की टीम के साथ नाव से विभिन्न छठ घाटों के निरीक्षण पर निकले। इस दौरान भगवान बिरसा मुंडा घाट, बिजली घाट,ओझा टोली घाट, चानन घाट और कबूतर खोपी घाट का जायजा लेते हुए टीम वापस फेरी सेवा घाट पहुंची। निरीक्षण के दौरान पंकज मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि छठ व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी प्रमुख घाटों पर समुचित साफ-सफाई, गंगा में सुरक्षा के मद्देनजर मजबूत बैरिकेडिंग और महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि छठ से पहले सभी तैयारियां हर हाल में पूरी कर ली जाएं।निरीक्षण के दौरान संत जेवियर्स स्कूल के पीछे गंगा कटाव की स्थिति पर उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने चिंता जाहिर की। उन्होंने इस समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में डीएमएफटी फंड से आवश्यक योजना लेने पर विचार करने की बात कही, ताकि कटाव से प्रभावित क्षेत्र को सुरक्षित किया जा सके।वहीं भगवान बिरसा मुंडा घाट और बिजली घाट पर गंगा किनारे जमा गाद को जल्द से जल्द हटाने का निर्देश नगर परिषद के प्रशासक को दिया गया। अधिकारियों को घाटों को श्रद्धालुओं के अनुकूल बनाने और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने को कहा गया। वहीं झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने कहा कि छठी मईया की कृपा से हर घर में सुख-शांति और समृद्धि आए, श्रद्धालुओं की आस्था और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।निरीक्षण के बाद उन्होंने कहा कि छठ महापर्व केवल एक पर्व नहीं,बल्कि आस्था,पवित्रता, अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम प्रतीक है।मां गंगा की गोद में लाखों श्रद्धालु भगवान भास्कर और छठी मईया की आराधना करते हैं।ऐसे पावन अवसर पर हर श्रद्धालु को स्वच्छ,सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा,₹हमारी पूरी कोशिश है कि साहिबगंज और आसपास के क्षेत्रों के छठव्रती बिना किसी परेशानी के पूरी श्रद्धा,भक्ति और उत्साह के साथ छठ महापर्व मना सकें।जिला प्रशासन और नगर परिषद को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी घाटों पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, चेंजिंग रूम और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करें।छठी मईया की कृपा से हर घर में सुख-शांति,खुशहाली और समृद्धि आए,यही हमारी कामना है।₹उन्होंने कहा कि दुगार्पूजा, दीपावली और काली पूजा का आयोजन जिले में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन बधाई के पात्र हैं।इसी तरह छठ महापर्व भी आपसी भाईचारे,शांति और श्रद्धा के वातावरण में संपन्न हो,इसके लिए सभी का सहयोग जरूरी है। उन्होंने जिलेवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अपील की कि सभी लोग सावधानी,स्वच्छता और शांतिपूर्ण माहौल में पर्व मनाएं तथा गंगा घाटों पर प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निदेर्शों का पालन करें।

न्यूज IN ब्रीफ

संगठन मजबूती व कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने पर हुई विस्तृत चर्चा



साहिबगंज :भारतीय जनता पार्टी, साहेबगंज जिला की मासिक संगठनात्मक बैठक मंगलवार को जिलाध्यक्ष गौतम कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी अनंत कुमार ओझा उपस्थित रहे।बैठक में संगठन को मजबूत एवं विस्तारित करने के साथ आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में जिला प्रभारी अमृत पांडेय,जिला उपाध्यक्ष सोनेलाल ठाकुर,जिला मंत्री चांदनी देवी व अजय चौधरी साहिबगंज नगर अध्यक्ष विनोद चौधरी,साहेबगंज ग्रामीण अध्यक्ष अनुराग राहुल,मंडरो अध्यक्ष जितेंद्र पंडित,बोरियो अध्यक्ष भुनेश्वर तुरी, बान्ही अध्यक्ष दिलीप भासदा, राजमहल नगर अध्यक्ष दीपक चंद्रवंशी,राजमहल ग्रामीण अध्यक्ष चिरंजीव सरकार,बरहरवा ग्रामीण अध्यक्ष तारक घोष एवं कोटालपोखर अध्यक्ष विकास भगत सहित अन्य जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।बैठक के दौरान पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने,मंडल से लेकर बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता बढ़ाने,कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया।

अनंत ओझा ने कार्यकताओं को दिया संगठन मजबूती का मंत्र

मुख्य अतिथि अनंत कुमार ओझा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं।कार्यकताओं की मेहनत, अनुशासन और जनसेवा की भावना से ही संगठन निरंतर आगे बढ़ता है।उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाना प्राथमिकता :-गौतम यादव

जिलाध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है।संगठन की मजबूती कार्यकताओं की सक्रियता,समर्पण और आपसी समन्वय पर निर्भर करती है।जिले के सभी मंडलों में बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाना हमारी प्राथमिकता है।उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित संगठनात्मक बैठकें आयोजित करने,नए लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।उन्होंने आगे कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं,बल्कि राष्ट्रसेवा और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य करने वाला संगठन है। आने वाले समय में सभी कार्यकताओं को पूरी ऊर्जा,एकजुटता और अनुशासन के साथ संगठन विस्तार में जुटना होगा।हमारा लक्ष्य जिले के प्रत्येक बूथ पर संगठन को मजबूत करना और आम जनता के बीच पार्टी की विचारधारा एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को पहुंचाना है।

संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी लाने का निर्देश

वहीं जिला प्रभारी अमृत पांडेय ने सभी पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा निर्धारित जिम्मेदारियों का बेहतर तरीके से निर्वहन करने का निर्देश दिया।उन्होंने संगठन के कार्यक्रमों में अधिक से अधिक कार्यकताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने और बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय रखने पर विशेष बल दिया।बैठक के अंत में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त,सक्रिय एवं जनाधारयुक्त बनाने के लिए पूरी निष्ठा, समर्पण और एकजुटता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

शिक्षा की अलख जगाने राजमहल से पटना तक पैदल यात्रा पर निकले दो युवा



साहिबगंज : शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने और समाज में शिक्षा का संदेश फैलाने के उद्देश्य से राजमहल से पटना तक पैदल यात्रा पर निकले दो युवा साथियों का साहिबगंज प्रखंड के जयंतीग्राम, महादेवगंज स्थित वर्णवाल कोचिंग सेंटर में गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर कोचिंग सेंटर के संचालक प्रो.अनुराग राहुल ने बच्चों के साथ दोनों युवाओं का आत्मीय स्वागत किया।उन्होंने युवाओं के साहस,समर्पण और शिक्षा के प्रति उनकी सकारात्मक सोच की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज में बदलाव लाने का सबसे सशक्त माध्यम है।ऐसे प्रयास समाज में नई चेतना और जागरूकता पैदा करते हैं।उन्होंने दोनों युवा साथियों की यात्रा की सफलता की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह पहल निश्चित रूप से लोगों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करने में प्रेरणादायक साबित होगी।साथ ही उन्होंने उनकी पूरी यात्रा मंगलमय, सुरक्षित और सफल होने की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर जिले में सप्ताह व्यापी विधिक जागरूकता अभियान जारी

- पंचायतों और विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता की दी गई जानकारी

संवाददाता



साहिबगंज:राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर जिले में सप्ताहव्यापी विधिक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज श्री सुभाष के मार्गदर्शन में मंगलवार को जिले के विभिन्न पंचायतों एवं विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य समाज के गरीब, कमजोर एवं वंचित वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना और सभी के लिए न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है।उन्होंने कहा कि नालसा के निदेर्शानुसार इस वर्ष एक दिवसीय कार्यक्रम के स्थान पर पूरे सप्ताह विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके तहत पीएलवी ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों के साथ-साथ विद्यालयों में पहुंचकर लोगों को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क अधिवक्ता की सुविधा, लोक अदालत, मध्यस्थता एवं विधिक सेवा प्राधिकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं।उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क विधिक सहायता का लाभ उठाएं व जरूरतमंद लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें।कार्यक्रम के दौरान पीएलवी ने विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को विधिक अधिकारों सरकारी योजनाओं और निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। जागरूकता सामग्री के माध्यम से भी लोगों को कानून के प्रति जागरूक किया गया।

छठ पर्व को लेकर प्रशासन अलर्ट एसडीओ और एसडीपीओ ने प्रमुख घाटों का किया औचक निरीक्षण



साहिबगंज :लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने मंगलवार को शहर के प्रमुख छठ घाटों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दल का नेतृत्व सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आइंद एवं राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी ने किया।इस दौरान अधिकारियों ने बायसी मंदिर के सामने स्थित बाबा घाट एवं ओझा टोली घाट का बारीकी से जायजा लिया।अधिकारियों ने घाटों पर साफ-सफाई,कचरा निस्तारण, बैरिकेडिंग,खतरनाक स्थानों के चिह्नीकरण,रोशनी,साउंड सिस्टम एवं पेयजल की उपलब्धता की जानकारी ली।साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस बल एवं गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की।मौके पर सदर एसडीओ अमर जॉन आइंद ने नगर परिषद के अधिकारियों को सभी छठ घाटों पर युद्धस्तर पर साफ-सफाई कराने तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह,सार्जेंट,वार्ड पार्षद प्रतिनिधि जयशंकर प्रसाद सहित कई अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

कायस्थ परिवार ने विधि-विधान से की भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना सुख-समृद्धि की कामना

संवाददाता



साहिबगंज : भगवान चित्रगुप्त पूजा के पावन अवसर पर साहिबगंज के कायस्थ परिवार की ओर से कांटरगंज स्थित मंदिर में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान कायस्थ समाज के लोगों ने पूरे श्रद्धाभाव से भगवान चित्रगुप्त की आराधना कर परिवार, समाज एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। जबकि पूजा के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार कलम, दवात एवं बही-खाते की पूजा की गई। धार्मिक मान्यता है कि भगवान चित्रगुप्त मनुष्यों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। कायस्थ समाज में उनकी पूजा का विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। जिसमें प्रोफेसर सुरेश्वर प्रसाद संरक्षक, कल्याण प्रसाद श्रीवास्तव अध्यक्ष, कुमार चंदन सचिव तथा राजीव निरंजन सिन्हा कोषाध्यक्ष के रूप में संगठन से जुड़े रहे।वहीं आलोक कुमार वर्मा, बबलू श्रीवास्तव, प्रमोद निरंजन, पंकज वर्मा, प्रदीप वर्मा, रमन कुमार वर्मा, अशोक श्रीवास्तव, विनय वर्मा, गोपाल श्रीवास्तव, प्रखर श्रीवास्तव एवं कुमार वातायन सहित कायस्थ परिवार के अन्य सदस्यों की सहभागिता रही। इस संदर्भ में

समाज के लोगों ने आपसी एकता भाईचारे व सामाजिक सद्भाव को मजबूत बनाने पर जोर दिया। साथ ही नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपरा और संस्कारों से जोड़ने तथा समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करने का संकल्प लिया।कायस्थ परिवार के सदस्यों ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज को एक सूत्र में बांधने का काम करते हैं। भगवान चित्रगुप्त का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और समाज निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़े, यही सभी की कामना है।

बरही में श्रद्धा और उल्लास के साथ हुई भगवान चित्रगुप्त की पूजा, भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता

बरही। चित्रांश परिवार बरही की ओर से मंगलवार को सूर्य मंदिर परिसर स्थित चित्रगुप्त मंदिर में भगवान चित्रगुप्त की पूजा श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर चित्रांश परिवार के सदस्यों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पुरोहित पंडित लखन शर्मा के पांडित्य में मुख्य यजमान राहुल सिन्हा सहित उपस्थित श्रद्धालुओं ने आराध्य देव से सुख-समृद्धि और सद्गति की कामना की।

पूजा के दौरान सामूहिक हवन और आरती की गई। इसके बाद चित्रांश परिवार की वार्षिक आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया। पूजा संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं, डॉ. प्रकाश ज्ञानी के सहयोग से आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर पुरोहित पंडित लखन शर्मा ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा के पुत्र हैं। वे समस्त जीवों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। मनुष्य को उसके कर्मों के आधार पर फल मिलता है। उनके अनुसार, सद्कर्म और पुण्य ही सद्गति एवं मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।कार्यक्रम का आयोजन चित्रांश परिवार के अध्यक्ष विनय कुमार सिन्हा की अगुवाई में हुआ। इसमें कोषाध्यक्ष श्याम कुमार सिन्हा और सचिव लक्की कुमार सिन्हा ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। आयोजन संरक्षक डॉ. पी. ज्ञानी, श्याम सुंदर प्रसाद, जयप्रकाश कटरियार, राजेंद्र रुखरियार, अजीत कटरियार,शैलेंद्र सिन्हा आदि के संरक्षण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजकिशोर प्रसाद, गोपाल घोष, महेश श्रीवास्तव, संजीव कटरियार, संजीव घोष, संजय कुमार सिन्हा, गजेंद्र सिन्हा, मनोज घोष, राकेश कमल, जयदीप कुमार सिन्हा, चितरंजन घोष, आशुतोष कुमार सिन्हा, राहुल कुमार सिन्हा, मनीष सिन्हा, कुणाल कटरियार, अमित सिन्हा, प्रभात सिन्हा सहित बड़ी संख्या में चित्रांश परिवार के सदस्य उपस्थित थे। पूजा संपन्न करवाने में छोटू पंडित और अजय पंडित ने सह पुरोहित भूमिका निभाई ।

हजारीबाग के कलाकार कुलेश्वर ठाकुर ने म्यांमार में बढ़ाया झारखंड का गौरव

हजारीबाग : झारखंड की कला और संस्कृति की पहचान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विशेष छाप छोड़ रही है। हजारीबाग के सुप्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कलाकार एवं यज्ञना परफॉर्मिंग आर्ट्स, हजारीबाग, झारखंड के निदेशक कुलेश्वर कुमार ठाकुर ने अपनी प्रतिभा और सांस्कृतिक समर्पण से भारत का गौरव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। 5 नवंबर को म्यांमार के यांगून स्थित भारतीय दूतावास के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र में कुलेश्वर कुमार ठाकुर के नेतृत्व में विशेष लेक्चर-डेमोंस्ट्रेशन एवं डांस वर्कशॉप आंतरिक शक्ति का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को भारतीय दूतावास, यांगून के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र ने प्रस्तुत किया गया । इसमें कुलेश्वर कुमार ठाकुर ने शरीर की विभिन्न गतिविधियों एवं नृत्य के माध्यम से आंतरिक ऊर्जा को जागृत करने तथा नृत्य में अधिक ऊर्जा और जीवंतता लाने के तरीकों का प्रदर्शन किया। इसके अगले दिन, 6 नवंबर को म्यांमार के यांगून स्थित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कला रंगमंच में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में कुलेश्वर कुमार ठाकुर के नेतृत्व में भारतीय सांस्कृतिक दल ने शानदार प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर भारतीय सांस्कृतिक दल को म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग के समक्ष अपनी कला का प्रदर्शन करने का गौरव प्राप्त हुआ।कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति की विविधता और समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित करते हुए मयूरभंज छऊ, संथाली, कथक एवं मणिपुरी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय लोककला, जनजातीय संस्कृति और शास्त्रीय नृत्य परंपराओं की सुंदर झलक अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने प्रस्तुत की गई। कुलेश्वर कुमार ठाकुर के निर्देशन और नेतृत्व में कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट नृत्य कला, अनुशासन और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति से उपस्थित दर्शकों को प्रभावित किया। इस अवसर पर उन्हें म्यांमार के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किए जाने का गौरव भी प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि केवल एक कलाकार की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि हजारीबाग, झारखंड और संपूर्ण भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए गौरव का विषय है। विशेष रूप से झारखंड की जनजातीय संस्कृति, संथाली परंपरा और छऊ नृत्य को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना राज्य की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।कुलेश्वर कुमार ठाकुर ने अपनी निरंतर मेहनत, कला के प्रति समर्पण और नेतृत्व क्षमता से यह साबित किया है कि हजारीबाग की प्रतिभाएं किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं।

झंडा मेला तैयारियां जोरों पर : आदिवासी संस्कृति परंपरा और विरासत का प्रतीक है झंडा मेला दूर-दराज के गांवों से पहुंचते हैं श्रद्धालु

संवाददाता



साहिबगंज : शहर के बीचों-बीच आयोजित होने वाला ऐतिहासिक मां काली पूजा व झंडा मेला इस वर्ष भी धूमधाम और उत्साह के साथ लगाया गया है।मेले में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान उपस्थित हुए।इस दौरान उन्होंने विभिन्न खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।पुरस्कार के रूप में प्रतिभागियों को खस्सी एवं नकद राशि प्रदान की गई।इस अवसर पर वार्ड पार्षद सह झंडा मेला पूजा समिति के पूर्व अध्यक्ष चमरू उरांव ने कहा कि यह मेला महज मनोरंजन का आयोजन नहीं बल्कि आदिवासी संस्कृति परंपरा और धरोहर को संरक्षित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।यहां दूर-दराज के गांवों से बच्चे बच्चियां और माताएं-बहनें पहुंचकर खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेती हैं।मेले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां आने वाली माताओं और बहनों को पूरी सुरक्षा एवं सम्मान के साथ विदा किया जाता है।वहीं नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान ने कहा कि साहिबगंज का ऐतिहासिक झंडा मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस मेले के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध परंपरा, कला और संस्कृति को करीब से देखने और समझने का अवसर मिलता है।ऐसे आयोजन हमारी पुरानी परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं और आगंतुकों की सुविधा एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।इस ऐतिहासिक परंपरा को जीवंत बनाए रखने के लिए सभी लोगों को मिलकर सहयोग करना चाहिए।चमरू उरांव ने बताया कि झारखंड में जिस तरह टुसू मेला प्रसिद्ध है,उसी तरह साहिबगंज शहर के बीचों-बीच आयोजित मां काली पूजा एवं झंडा मेला भी अपनी अलग पहचान रखता है वर्ष 1989 से समिति द्वारा इसे व्यवस्थित एवं भव्य रूप में आयोजित किया जा रहा है। हालांकि इससे पहले भी यह मेला लगता था,लेकिन समिति के प्रयासों से इसे एक नई पहचान मिली है।उन्होंने मेले की एक अनूठी सामाजिक परंपरा का जिक्र करते हुए बताया कि आदिवासी गांवों से आने वाले युवक-युवतियों के बीच परिचय और आपसी पसंद के माध्यम से शादी-ब्याह के रिश्ते भी जुड़ते हैं। अलग-अलग गांवों के लोग यहां मिलते हैं,एक-दूसरे को पसंद करते हैं और अपने परिवारों को इसकी जानकारी देते हैं।इसके बाद परिवारों की सहमति से विवाह के रिश्ते तय होते हैं।इस तरह यह मेला सामाजिक मेल-मिलाप और आपसी प्रेम-सौहार्द को भी बढ़ावा देता है।झंडा मेला आज आदिवासी संस्कृति, परंपरा,सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का महत्वपूर्ण प्रतीक बन चुका है।पूजा समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

सचिन तेंदुलकर के 26 ऐतिहासिक बल्ले अब मुंबई क्रिकेट संग्रहालय में होंगे प्रदर्शित

'बैटोग्राफी' के जरिये दिखेगा मास्टर ब्लास्टर का क्रिकेट सफर, 16 नवंबर को होगा अनावरण

मुंबई। भारतीय क्रिकेट की विरासत को सहेजने और खेल के इतिहास को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अपने करियर के कुछ सबसे खास बल्ले और यादगार वस्तुएं मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को भेंट करेंगे। इनमें वे बल्ले भी शामिल हैं, जिनसे उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 100 शतक लगाए थे। इन सभी वस्तुओं को एमसीए के शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। इस विशेष संग्रह का अनावरण 16 नवंबर 2026 को एक समारोह में होगा।



यह तारीख सचिन तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के 13 वर्ष पूरे होने का भी प्रतीक है। उन्होंने 16 नवंबर 2013 को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना 200वां टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था।

इस अवसर पर संग्रहालय में पहली बार अपनी तरह की एक विशेष प्रदर्शनी ह्यबैटोग्राफीह्ल शुरू की जाएगी। इसमें तेंदुलकर के करियर के 26 बल्लों के साथ उनसे जुड़ी कई महत्वपूर्ण यादगार वस्तुएं प्रदर्शित होंगी। ह्यबैटोग्राफीह्ल नाम जीवनी की अवधारणा से प्रेरित है। इसके माध्यम से मास्टर ब्लास्टर के क्रिकेट सफर को उन बल्लों की कहानी के जरिये प्रस्तुत किया जाएगा, जो उनके करियर के ऐतिहासिक और यादगार पलों के साक्षी रहे हैं। प्रत्येक बल्ला उनके शानदार करियर के एक खास अध्याय को दर्शाएगा। इससे क्रिकेट प्रेमियों को उनके रिकॉर्ड और उपलब्धियों के पीछे की कहानी को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

इस पहल पर मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, ह्लसचिन तेंदुलकर का भारतीय और विश्व क्रिकेट में योगदान उनके बनाए रिकॉर्ड से कहीं अधिक है। उनका सफर करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों की यादों में रचा-बसा है और ये बल्ले उस सफर की सबसे व्यक्तिगत धरोहरों में शामिल हैं। ह्यबैटोग्राफीह्ल के माध्यम से हम एमसीए संग्रहालय में एक अनूठा आयाम जोड़ रहे हैं। इससे आगंतुक उन उपलब्धियों के पीछे की कहानी को उन्हीं साधनों के जरिये अनुभव कर सकेंगे, जिनसे वे उपलब्धियां हासिल की गईं। हम सचिन के आभारी हैं कि उन्होंने अपनी इन बेशकीमती धरोहरों को एमसीए के साथ साझा करने का निर्णय लिया। इससे यह असाधारण विरासत आने वाली पीढ़ियों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए भी सुलभ बनी रहेगी।ह्ल

बल्लों के अलावा सचिन के करियर के महत्वपूर्ण अवसरों और उपलब्धियों से जुड़ी कई अन्य यादगार वस्तुएं भी प्रदर्शनी का हिस्सा होंगी। इनमें हेलमेट, जर्सी, नोट्स सहित अन्य संग्रहणीय वस्तुएं शामिल हैं। संग्रहालय में इसके लिए एक विशेष स्थान तैयार किया गया है, जो तेंदुलकर के असाधारण क्रिकेट सफर को समर्पित होगा। इस प्रदर्शनी के जरिये प्रशंसक उनके करियर के ऐतिहासिक पलों, उपलब्धियों और यादों को फिर से करीब से देख सकेंगे।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, रविंद्र, डफी, कॉनवे और ब्लंडेल की वापसी

वेलिंगटन। भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में जैकब डफी, रचिन रविंद्र, डेवोन कॉनवे और टॉम ब्लंडेल की वापसी हुई है। रविंद्र, कॉनवे, और ब्लंडेल चोट और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। रचिन रविंद्र को भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान दाएं कंधे में चोट लग गई थी। उनका कंधा अपनी जगह से खिसक गया था, जिसके कारण वह वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर रहे। वहीं, डेवोन कॉनवे शुरूआती वनडे से पहले लगी चोट के बाद उससे उबर रहे थे, जबकि टॉम ब्लंडेल जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशान थे।

इस साल की शुरूआत में इंग्लैंड को 2-1 से टेस्ट सीरीज हराने वाली न्यूजीलैंड टीम से बेन सीयर्स, जैक फॉल्क्स और विल ओ'रूर्क को बाहर रखा गया है। सीयर्स टखने और फॉल्क्स कूल्हे की चोट से जूझ रहे हैं, जबकि ओ'रूर्क वापसी की प्रक्रिया से



गुजर रहे हैं। केन विलियमसन भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज के बीच में ही संन्यास ले लिया था। टॉम लैथम की कप्तानी वाली टीम में जैकब डफी की भी वापसी हुई है। भारत के खिलाफ यह टेस्ट सीरीज न्यूजीलैंड के नए बल्लेबाजी कोच बीएल वॉटलिंग के कार्यकाल की भी शुरूआत होगी। वह 16 नवंबर से अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, ह्लयह सीरीज ब्लैककैप्स के लिए टेस्ट क्रिकेट के एक रोमांचक घरेलू सत्र की शुरूआत है। टीम लगभग वही है, जिसने इस साल की शुरूआत में इंग्लैंड में मुकाबला किया था। ऐसे में दोबारा एक साथ खेलने और घरेलू मैदान पर उस सफलता को दोहराने की कोशिश करना अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा, मार्च तक कुल 10 टेस्ट मैच खेले जाने हैं, इसलिए टेस्ट क्रिकेट के प्रशंसकों के लिए मुकाबलों की कोई कमी नहीं होगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक दांव पर होंगे, लेकिन हमारा ध्यान भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने पर रहेगा।ह्ल

न्यूजीलैंड की टीम फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर है। भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद न्यूजीलैंड दिसंबर-जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज होगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम : टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।



'किंग' में शाहरुख के साथ

करीना कपूर का नया ट्रैक

करीना कपूर खान की शाहरुख खान के लिए बर्थडे पोस्ट ने सुपरस्टार की अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। सोमवार को बेबो ने दोनों की एक डांस मूव से जुड़ी एक फोटो शेयर की, जिससे इशारा मिला कि वे सिद्धार्थ आनंद की डायरेक्ट की हुई इस फिल्म में एक स्पेशल गाने के लिए फिर से साथ आ सकते हैं। ब्लैक-एंड-व्हाइट फोटो में शाहरुख और करीना एक-दूसरे के सामने दिख रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि वे डांस करने वाले हैं। फोटो में बैकग्राउंड में कुछ ड्रामैटिक लाइट्स भी देखी जा सकती है। बेबो ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो किंग। किंगडम के हमेशा के लिए शासक। चलो साथ में डांस करते हैं। इंतजार नहीं कर सकती। ' इस साल 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली 'किंग' में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी उनके साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। इस ड्रामा की कास्ट में अभिषेक बच्चन, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी और राघव जुयाल भी शामिल हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट से मिला इशारा



म्यूजिक वीकेंड का हिस्सा बने मीका सिंह



बॉलीवुड के मशहूर सिंगर मीका सिंह ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर अपनी आवाज का जादू बिखेरा। हाल ही में उन्होंने अमेरिका के लास वेगास में दीपावली और हैलोवीन के खास मौके को संगीत के जरिए सेलिब्रेट किया। 31 अक्टूबर को उन्होंने बेलाजियो में शानदार परफॉर्मेंस दी। इस दौरान वहां मौजूद दर्शकों ने उनके गानों पर जमकर डांस किया और उनका साथ दिया। मीका ने इस अनुभव को खास बताते हुए कहा कि दीपावली के दौरान लास वेगास में परफॉर्म करना उनके लिए बेहद खुशी की बात थी।



● 'कॉफी विद करण' पर सुनाया था वाकया

आलिया भट्ट ने छठी क्लास में शुरू कर दी थी डेटिंग

एक्ट्रेस आलिया भट्ट पॉपुलर चैट शो 'कॉफी विद करण' में कई बार आ चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने इस चैट शो में 2013 में अपने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के को-स्टार्स सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन के साथ डेब्यू किया था। इस एंटरटेनिंग एपिसोड के दौरान, आलिया ने होस्ट और फिल्ममेकर करण जौहर समेत सभी को चौंका दिया, क्योंकि उन्होंने बताया कि उन्होंने क्लास 6 में डेटिंग शुरू कर दी थी। करण ने कहा कि वरुण ने उन्हें बताया कि आलिया के बचपन में कई यंग बॉयफ्रेंड थे। हालांकि, इस पर मजाकिया अंदाज में आपत्ति जताते हुए आलिया ने कहा, 'मैं इसे कोई सिलसिला नहीं कहूंगी, लेकिन मेरे (बॉयफ्रेंड) और सीरियस रिलेशनशिप थे, जैसे दो साल, (फिर) दो साल। ' करण ने इस बात पर हैरानी जताई कि आलिया 17 साल की उम्र तक दो सीरियस रिलेशनशिप में रह चुकी थीं। करण जौहर ने पूछा, 'आपने 10 साल की उम्र में डेटिंग शुरू कर दी थी? आलिया ने हंसकर जवाब देते हुए कहा, 'इसीलिए मैं कहती हूं कि यह कोई डोरी नहीं है। मैंने छठी क्लास में डेटिंग शुरू कर दी थी। जब हैरान करण ने उनसे पूछा, 'क्या? ', आलिया ने जवाब दिया, 'लेकिन, जाहिर है कि यह डेटिंग नहीं थी। यह तो बस ऐसा था, जैसे हम क्लासरूम की दूसरी तरफ से एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते थे। वरुण ने फिर मजाक में कहा कि यह 'आधा-आधा' था, जिस पर आलिया ने कहा, 'कुछ भी आधा-अधूरा नहीं था। असल में मेरा पहला बॉयफ्रेंड 10वीं क्लास में था। यह बताते हुए कि यह एक सीरियस रिलेशनशिप था, आलिया ने कहा, 'क्योंकि मैंने उसे दो साल तक डेट किया। वह मेरा पहला, हाई-स्कूल जैसा प्यार था। करण ने आलिया से यह भी पूछा कि क्या उन्होंने उन्हें इसलिए छोड़ दिया, क्योंकि वह एक्टर बनना चाहती थीं। इस बात से इनकार करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, ''नहीं, उन्होंने मुझे छोड़ दिया।

'वीडियो का मकसद जागरूकता फैलाना था', दीपावली संदेश से जुड़े

विवाद के बीच दीया मिर्जा की सफाई

मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के प्रदूषण कम करने वाले जागरूकता अभियान में शामिल अभिनेत्री दीया मिर्जा के वीडियो को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। इसी बीच दीया मिर्जा का वीडियो बीएमसी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया। इस पूरे विवाद के बीच अब दीया मिर्जा ने अपना बयान दिया है। दीया मिर्जा ने कहा, ''दीपावली अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और निराशा पर आशा की जीत का उत्सव है। यह वीडियो लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रिकॉर्ड किया गया था, ताकि उन्हें अधिक स्वस्थ और सोच-समझकर त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। वायु प्रदूषण जनस्वास्थ्य से जुड़ा एक मुद्दा है और इसे कम करने की दिशा में किया गया हर प्रयास सभी के लिए बेहतर पर्यावरण की ओर एक कदम है।'' दरअसल, मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच बीएमसी ने दीपावली से पहले लोगों को प्रदूषण कम करने के लिए जागरूक करने का अभियान शुरू किया था। इस अभियान के तहत कुछ वीडियो जारी किए गए थे, जिनमें दीया मिर्जा के अलावा अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे भी नजर आए थे।

इन वीडियो के जरिए लोगों से पटाखों का इस्तेमाल कम करने और पर्यावरण का ध्यान रखते हुए दीपावली मनाने की अपील की गई थी। हालांकि, दीया मिर्जा का वीडियो सामने आने के बाद इस पर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम ने अभिनेत्री के वीडियो पर आपत्ति जताई और कहा कि लोगों को दीपावली मनाने के तरीके के बारे में दीया मिर्जा से सीख लेने की जरूरत नहीं है।

'लीव इंडिया' नोटिसः

इमरान खान ने बिना शर्त मांगी माफी

7 दिसंबर को याचिका पर सुनवाई करेगा बॉम्बे हाई कोर्ट

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के भांजे इमरान खान इन दिनों चर्चा में हैं। इमरान खान को 28 अक्तूबर तक भारत छोड़ने का नोटिस भेजा गया था। इस नोटिस के खिलाफ इमरान खान ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था।

27 को हुई थी पिछली सुनवाई

27 अक्तूबर को बॉम्बे हाईकोर्ट में इमरान खान की याचिका पर सुनवाई हुई थी। मामले में कोर्ट ने इमरान के खिलाफ जारी हुए भारत छोड़ने के नोटिस पर 2 नवंबर तक रोक लगा दी थी। जिसके बाद 2 नवंबर को फिर से सुनवाई हुई।

सुनवाई में क्या हुआ?

अभिनेता इमरान खान की याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट में 2 नवंबर को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान इमरान खान की ओर से वरिष्ठ वकील वेंकटेश धोंड पेश हुए, जबकि महाराष्ट्र सरकार की तरफ से सरकारी वकील अंजलि हेलेकर ने पक्ष रखा। मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता वाली पीठ ने इमरान के खिलाफ दर्ज एफआईआर की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी मांगी। अभिनेता इमरान खान ने बॉम्बे हाईकोर्ट में बिना शर्त माफी मांग ली है। उन्होंने कोर्ट को भरोसा दिलाया है कि वह भविष्य में किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेंगे। इमरान ने इस संबंध में अदालत में एक हलफनामा भी दिया है।

शीतकाल के लिए बंद हुए केदारनाथ धाम के कपाट, साढ़े 19 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

पांच हजार से अधिक श्रद्धालु बने कपाट बंद होने के साक्षी, पंचमुखी डोली रामपुर रवाना

एजेंसी

केदारनाथ/रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट बुधवार को भैयादूज के अवसर पर सुबह 8:30 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न कपाट बंद होने की प्रक्रिया के साक्षी बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी सहित पांच हजार से अधिक श्रद्धालु बने। कपाट बंद होने के बाद भगवान केदारनाथ की चल विग्रह पंचमुखी डोली सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों के बीच जय श्री केदार के उद्घोष के साथ पहले पड़ाव रामपुर के लिए रवाना हुई। इस यात्रा वर्ष में



रिकॉर्ड साढ़े 19 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए।

भैयादूज पर आज सुबह 3:30 बजे मंदिर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिया गया। सुबह पांच बजे से कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हुई। मुख्य पुजारी टी. गंगाधर लिंग ने धर्माधिकारी और वेदपाठियों की उपस्थिति में स्वयंभू शिवलिंग को समाधि स्वरूप दिया। स्थानीय पुष्पों, ब्रह्मकमल और भस्म से शिवलिंग को ढकने के बाद गर्भगृह के कपाट बंद किए गए। इसके बाद भगवान की पंचमुखी डोली सभा मंडप से बाहर मंदिर परिसर में लाई गई। इस दौरान पूरा परिसर 'जय श्री केदार' और 'ऊं नमः शिवाय' के उद्घोष से गूंज उठा। सुबह 8:30 बजे मुख्य मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के अवसर पर मंदिर को फूलों से सजाया गया था। श्रद्धालुओं के लिए दानदाताओं और आईटीबीपी की ओर से भंडारे भी आयोजित किए गए। हाल के दिनों में आसपास की पहाड़ियों पर बर्फबारी के कारण धाम में ठंड बढ़ गई है। बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि 12 नवंबर को डोली विश्वनाथ मंदिर, गुप्तकाशी पहुंचेगी। इसके बाद 13 नवंबर को शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ पहुंचेगी, जहां शीतकाल में भगवान केदारनाथ की पूजा-अर्चना होगी। उन्होंने बताया कि कपाट बंद होने की प्रक्रिया के तहत सात नवंबर को भगवान केदारनाथ के रक्षक भकुंट भैरवनाथ के कपाट भी शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए थे।

कपाट बंद होने के अवसर पर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने यात्रा के सफल संचालन में सहयोग देने वाले सभी विभागों, संस्थाओं, हक-हकूकधारियों, श्री केदार सभा और श्रद्धालुओं के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का श्री केदारनाथ धाम से विशेष लगाव रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के दिशा-निर्देशों में इस वर्ष चारधाम यात्रा ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि कपाट बंद होने के बाद शीतकालीन यात्रा को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, समिति सदस्य महेंद्र शर्मा, देवी प्रसाद देवली, नीलम पुरी, प्रह्लाद पुष्पवाण, डॉ. विनीत पोस्ती, केदार सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़, मुख्य प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डीएस भुजवाण सहित जिला प्रशासन, पुलिस, आईटीबीपी और एसडीआरएफ के अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

छठ पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बढ़ाई विशेष ट्रेनों की संख्या

दिल्ली के प्रमुख स्टेशनों से बुधवार को 31 और गुरुवार को चलेंगी 29 विशेष रेलगाड़ियां

एजेंसी

नई दिल्ली। छठ महापर्व पर घर जाने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन बढ़ाया गया है।

बुधवार को दिल्ली क्षेत्र से कुल 31 विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी, जबकि गुरुवार को 29 विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ और मांग के अनुसार अल्प सूचना पर अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां भी चलाई जाएंगी।



उत्तर रेलवे के अनुसार, बुधवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से 10, आनंद विहार टर्मिनल से आठ, शकूरबस्ती से सात, हजरत निजामुद्दीन से चार, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी रवाना होगी।

इसी तरह, 12 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से चलने वाली 29 विशेष रेलगाड़ियों में नई दिल्ली से सात, आनंद विहार टर्मिनल से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से पांच, दिल्ली जंक्शन से तीन, रोहतक से एक और दिल्ली सराय रोहिल्ला से एक रेलगाड़ी शामिल है।

रेलवे ने बताया कि मंगलवार, 10 नवंबर को भी प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ की निगरानी के बाद पहले से निर्धारित 27 विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त अल्प सूचना पर तीन अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं।

उत्तर रेलवे के अधिकारी बुधवार को भी दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही और भीड़ की लगातार निगरानी कर रहे हैं। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियां चलाने की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए मंडल रेल प्रबंधक, अपर मंडल रेल प्रबंधक सहित रेलवे मुख्यालय और मंडल के वरिष्ठ अधिकारी स्टेशनों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं और भीड़ की स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों का जायजा लेने छत्तीसगढ़ पहुंची स्मृति ईरानी

एजेंसी

- आज रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में लेंगी अधिकारियों और नेताओं की बैठक

रायपुर । छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में 15 नवंबर को आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी सिलसिले में भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी आज बुधवार को रायपुर पहुंचीं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने रायपुर के माना एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। रायपुर से वे सीधे रायगढ़ जिले के लिए रवाना होंगी, जहां कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लेंगी।

उल्लेखनीय है कि धरमजयगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी शामिल होंगे। उनके प्रस्तावित दौरे को देखते हुए स्मृति ईरानी आयोजन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगी। इसके साथ ही वे कार्यक्रम स्थल पर अधिकारियों एवं पार्टी नेताओं की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा करेंगी। जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा संगठन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम में व्यवस्थाओं और आयोजन से जुड़ी विभिन्न तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए पार्टी पदाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी जुटे हुए हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात बनने की आशंका, मछुआरों को 12 नवंबर तक तट पर लौटने का निर्देश

चेन्नई। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में 13 नवंबर को कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके अगले 24 घंटे में उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और मजबूत होकर गहरे कम दबाव के क्षेत्र में बदलने का अनुमान है। इसके चक्रवात में तब्दील होने की आशंका को देखते हुए तमिलनाडु के मत्स्य पालन एवं मछुआरा कल्याण विभाग ने मछुआरों को 12 नवंबर की रात तक समुद्र से लौटकर तट पर पहुंचने का निर्देश दिया है। चेन्नई क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के पूवार्नुमान के आधार पर विभाग ने मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की है। इसमें समुद्र में मछली पकड़ने जाने से बचने और गहरे समुद्र में मौजूद नौकाओं को निर्धारित समय तक वापस लौटने की सलाह दी गई है। सभी मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अपने संबंधित मछली पकड़ने के बंदरगाहों पर सुरक्षित स्थानों पर खड़ा करने का निर्देश दिया गया है। विभाग के अनुसार, 13 नवंबर से अगले आदेश तक मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अनुमति टोकन जारी नहीं किए जाएंगे। यह निर्देश गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाली नौकाओं के साथ प्रतिदिन समुद्र में जाने वाली पारंपरिक नौकाओं पर भी लागू होगा। सभी नौकाओं को 12 नवंबर तक अपने नियमित मछली उतारने वाले केंद्रों पर लौटकर सुरक्षित रूप से खड़ा होना होगा।

केवाला के कागजात से अंगूठा का निशान निकालकर खाता से पैसे की अवैध निकासी करने वाले चार साइबर ठग गिरफ्तार

अररिया । जिले की महलगांव थाना पुलिस ने मंगलवार को करहरा गांव के वार्ड संख्या 10 में मो.हसनैन के घर छापेमारी कर साइबर ठगी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया।जबकि पुलिसिया कार्रवाई के दौरान दो आरोपी मौके से फरार हो गए।पुलिस ने इनके पास से नौ मोबाइल,एक लैपटॉप,दो डिजिटल फिंगर क्लोन डिवाइस बरामद किया है।मंगलवार की रात सदर एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी।

मामले में पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले गिरोह के सदस्य करहरा वार्ड संख्या 10 के मो.हसनैन पिता मो.कबीर आलम,मो.सालिक पिता मो.इजहार आलम,शम्स कमर पिता साबिर आलम और वार्ड संख्या 12 के मो.राफिक पिता मो.ईशा को गिरफ्तार किया।



जबकि मो.कबीर आलम के पुत्र अशरफ उर्फ गुलाब पिता जुबेर और कोनेन पिता कबीर आलम मौके से फरार होने में कामयाब रहा।मामले को लेकर महलगांव थाना में कांड संख्या 216/26 धारा316(2),319(2),318(4),338,336(3),340(2),112,3(5) बीएनएस एवं 66(सी) और 66(डी) आईटी एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। सदर एसडीपीओ ने बताया कि महलगांव थाना क्षेत्र में साइबर ठगी के लिए काम करने वाले गिरोह के कार्य करने की सूचना लगातार मिल रही थी। एक महीना में यह तीसरा साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश है। उदा, कुरसेल,करहरा साइबर ठग का हब बना हुआ है और सूचना पर जिला पुलिस लगातार साइबर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि केवाला या दूसरे अन्य कागजातों पर लगे अंगूठा के निशान की कॉपी कर डिजिटल फिंगर क्लोन डिवाइस से निशान का क्लोन तैयार कर आधार से लिंक ग्रामीणों के खाते से अपने या अन्य परिचित के खाते में पैसे का हस्तांतरण कर बाद में उससे निकासी कर लेते हैं।बायोमेट्रिक्स पद्धति का इस्तेमाल गिरोह के सदस्य के द्वारा गलत तरीके से उपयोग किया जाता है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तूफानी तेजी का रुख

सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई जोरदार छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिवाली बलि प्रतिपदा की छुट्टी के बाद आज खुले घरेलू शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान तूफानी तेजी का माहौल बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई नरमी के बीच आज भारतीय बाजार की शुरूआत शानदार बढ़त के साथ हुई। बाजार खुलते ही खरीदारों ने बैंकिंग, ऑटोमोबाइल और रिटेल सेक्टर के दिग्गज शेयरों में चौतरफा लिवाली का जोर बना दिया। इस जबरदस्त खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों की तेजी लगातार बनी रही। बाजार में लगातार जारी लिवाली के बीच सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.49 प्रतिशत और निफ्टी 50 सूचकांक 1.26 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।



बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज 1,142.03 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की दमदार छलांग लगा कर 82,248.68 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही मुनाफावसूली का मामूली दबाव बनने के कारण यह सूचकांक शुरूआती मिनटों में फिसल कर 81,969.91 अंक के निचले स्तर तक आया। इसके तुरंत बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया जैसे दिग्गज शेयरों में आई बंपर तेजी से बाजार को बड़ा बूस्ट मिला।

लगातार हो रही खरीदारी के दम पर सेंसेक्स उछल कर 82,520.40 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले सुबह 10:30 बजे का सत्र बीतने के बाद सेंसेक्स 1,211.25 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 82,317.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की ही तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी 50 ने भी आज 293.15 अंक यानी 1.17 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 25,337.80 अंक के स्तर से अपने कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के मामूली झटके से यह सूचकांक फिसल कर 25,263.80 अंक के निचले स्तर तक गया। लेकिन कुछ देर बाद ही दिग्गज शेयरों में शुरू हुई जोरदार लिवाली के चलते निफ्टी 25,424.35 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 50 सूचकांक 314.85 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,359.50 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 3,046 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,471 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 575 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर दो शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और छह शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

आज सुबह के शुरूआती कारोबारी सत्र में स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से टॉप गेनर्स की सूची में इंटरग्लोब एविएशन 4.47 प्रतिशत की तूफानी बढ़त के साथ 5,672.70 रुपये के भाव पर सबसे आगे बना हुआ था। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.83 प्रतिशत उछल कर 3,416.50 रुपये, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 2.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,065.75 रुपये, एक्सिस बैंक 2.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,339.40 रुपये और ट्रेंट लिमिटेड 2.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,187 रुपये के स्तर पर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

दूसरी ओर, बाजार की इस जोरदार तेजी के बीच भी बिकवाली के दबाव में फंसे टॉप लूजर्स में केवल तीन दिग्गज कंपनियां ही शामिल रहीं। इनमें डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,376.80 रुपये के भाव पर सबसे आगे चल रहा था। इसके साथ ही हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 0.34 प्रतिशत की कमजोरी दिखाते हुए 956.70 रुपये और टाइटन कंपनी 0.12 प्रतिशत की मामूली सुस्ती के साथ 4,999 रुपये के स्तर पर लाल निशान में बने हुए थे।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 107.25 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 81,106.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 58.25 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,044.65 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

तमिलनाडु के तिरुप्पुर में मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, 13 तस्कर गिरफ्तार

तिरुप्पुर। तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले में मादक पदार्थों की बिक्री और सेवन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान आरोपितों के कब्जे से गांजा, गांजा चॉकलेट और गुटखा उत्पाद बरामद किए गए। अभियान के तहत पुलिस की 46 टीमों ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और लॉज सहित करीब 92 स्थानों पर सघन जांच की।

तिरुप्पुर की पुलिस अधीक्षक सृष्टि सिंह ने बुधवार को जिला पुलिस कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने तथा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि जिले में मादक पदार्थों से जुड़े अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक ऐसे करीब 143 अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इसके अलावा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 129 के तहत निवारक बांड आदेश भी प्राप्त किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में नौ नवंबर से ड्रोन के माध्यम से निगरानी अभियान भी शुरू किया गया है। सुनसान और अंधेरे स्थानों पर जुआ खेलने तथा सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने के मामलों में 134 केस दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि गंभीर अपराधों और हिंसक घटनाओं में शामिल 71 हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों की भी जांच की गई। इनमें से 17 लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। सृष्टि सिंह ने आम लोगों से मादक पदार्थों की बिक्री और सेवन से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों की जानकारी मिलने पर लोग 'ड्रग फ्री तमिलनाडु' ऐप अथवा पुलिस आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 100 पर सूचना दे सकते हैं।पुलिसकर्मियों को अतिरिक्त सुरक्षा और हथियार उपलब्ध कराने से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि इसकी आवश्यकता संबंधित क्षेत्रों की परिस्थितियों के आधार पर तय की जाएगी। जरूरत के मुताबिक अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था और हथियार उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि तिरुप्पुर जिले में अब तक इस तरह की कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई है। सप्ताहांत में सशस्त्र पुलिस बल और विशेष पुलिस टीमों की ओर से मादक पदार्थों के खिलाफ नियमित जांच अभियान जारी रहेगा।

ईरान की धमकी के बीच अमेरिकी वित्त सचिव बेसेंट को घर से मिलिट्री बेस ले जाया गया

वाशिंगटन (अमेरिका)। ईरान से मिली जान से मारने की धमकी के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट हाल ही में अपना घर छोड़कर एक मिलिट्री बेस पर चले गए हैं। यह जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने अपनी पहचान न उजागर करने की शर्त पर यह संवेदनशील जानकारी दी। बताया गया है कि हाल के हफ्तों में अमेरिकी अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के खिलाफ ईरान की साजिशें अब और गंभीर चरण में पहुंच गई हैं। इसमें बेसेंट को मिली धमकी से जुड़ी खुफिया जानकारी भी शामिल है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में यह रहस्योद्घाटन करते हुए बताया गया है कि अगस्त से बेसेंट एक ऐसे आर्थिक दबाव अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसका मकसद ईरान को कड़े प्रतिबंधों और व्यापार मार्गों पर रोक लगाकर आर्थिक रूप से अलग-थलग करना है। इन लोगों के अनुसार, इस भूमिका की वजह से वह प्रशासन के उन अधिकारियों में शामिल हो गए हैं, जिन्हें ईरान सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाना चाहता है। उन्हें मिली धमकियां कितनी गंभीर हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और विदेश में बड़े पैमाने पर हमले करने की ईरान की क्षमता सीमित है। लेकिन, ईरान की ओर से कुछ खास लोगों को निशाना बनाने की ऐसी धमकी भी मिली हैं जिन्हें अमेरिकी अधिकारी गंभीर मानते हैं। उदाहरण के लिए, 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की साजिश रची गई थी। वित्त विभाग के एक प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा कि बेसेंट ईरानी शासन की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। वह ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डालने वाले अभियान को जारी रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स का मानना है कि बेसेंट ट्रंप प्रशासन के ऐसे नवीनतम वरिष्ठ अधिकारी हैं, जिन्होंने वाशिंगटन क्षेत्र स्थित अपना घर छोड़कर किसी सैन्य अड्डे या अन्य सुरक्षित आवास में जाना चुना है। पिछले साल कम से कम आधा दर्जन अधिकारियों ने ऐसा ही किया था। इनमें स्टीफन मिलर (जो अब व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ हैं) और पैम बॉन्डी (जो उस समय अटॉर्नी जनरल थीं) शामिल हैं।

फलता में तृणमूल नेता जहांगीर खान की अवैध बहुमंजिला इमारत ढहाने का काम शुरू, प्रशासन का अभियान



कोलकाता। जेल में बंद तृणमूल कांग्रेस के नेता जहांगीर खान के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। दक्षिण चौबीस परगना जिले के फलता अंतर्गत श्रीरामपुर में उनकी एक बहुमंजिला इमारत के अवैध हिस्से को तोड़ने का काम जिला प्रशासन ने बुधवार को शुरू कर दिया है। बुधवार सुबह प्रशासनिक अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ इस इमारत पर पहुंचे। मौके पर प्रखंड विकास अधिकारी सहित प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इमारत के अंदर जाकर निरीक्षण करने के बाद इसे तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। प्रशासन के इस कदम से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जहांगीर खान के नाम और बेनामी तरीके से संपत्तियों के होने का आरोप है। शिकायत है कि उन्होंने सरकारी जमीन पर कब्जा करके कई जगहों पर अवैध निर्माण कराए हैं। ऐसे सभी अवैध ढांचों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया अब शुरू कर दी गई है। सरकारी निदेर्शों का पालन करते हुए ही श्रीरामपुर स्थित इस बहुमंजिला इमारत के अवैध हिस्से को ढहाने का काम शुरू किया गया है।गौरतलब है कि जहांगीर खान के खिलाफ जमीन हड़पने और अवैध संपत्ति अर्जित करने के कई मामले काफी समय से चर्चा में हैं। फिलहाल वह जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच और प्रशासनिक कार्रवाई के बीच अब जिला प्रशासन ने सीधे तौर पर अवैध निर्माण को जमींदोज करने का अभियान छेड़ दिया है। इस कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए बुधवार सुबह से ही इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस अधिकारी स्थिति पर पूरी तरह नजर बनाए हुए थे। प्रशासन के इस अभियान को लेकर स्थानीय लोगों में भी काफी उत्सुकता देखी गई। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या आने वाले समय में जहांगीर खान के नाम या बेनामी संपत्तियों के तौर पर मौजूद अन्य अवैध निमार्णों के खिलाफ भी प्रशासन इसी तरह की सख्त कार्रवाई करेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

विधायक को ग्रामीण ने कंधे पर बैठाकर पार कराई नदी, बीच धारा में बिगड़ा संतुलन, दोनों पानी में गिरे

पलामू : विश्रामपुर विधानसभा के राजद विधायक नरेश प्रसाद सिंह को नदी पार कराने के लिए एक ग्रामीण ने अपने कंधे पर बैठाया, लेकिन बीच धारा में संतुलन बिगड़ने से विधायक और ग्रामीण दोनों पानी में गिर पड़े। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, विधायक नरेश प्रसाद सिंह घासीदाग पंचायत के घासीदाग गांव में आयोजित एक धार्मिक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। गांव तक पहुंचने के लिए उन्हें धुरिया नदी पार करनी थी। नदी में पानी होने के कारण विधायक ने खुद पैदल नदी पार करने के बजाय एक ग्रामीण के कंधे पर बैठकर नदी पार करने का फैसला किया। इसी दौरान बीच धारा में ग्रामीण का संतुलन बिगड़ गया और विधायक समेत दोनों पानी में गिर पड़े।

छठ महापर्व को लेकर लचरागढ़ ब्राह्मण तालाब छठ घाट की हुई विशेष साफ-सफाई

लचरागढ़/कोलेबिरा : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर कोलेबिरा प्रखंड क्षेत्र के लचरागढ़-जलडेगा मुख्य मार्ग स्थित ब्राह्मण तालाब छठ घाट की विशेष साफ-सफाई का अभियान चलाया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ महापर्व को ध्यान में रखते हुए घाट को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने की पहल की गई।

सफाई अभियान के दौरान जेसीबी मशीन की सहायता से छठ घाट परिसर एवं आसपास उगी घास-पूस, झाड़ियों और अनावश्यक वनस्पतियों को हटाया गया। साथ ही घाट के आसपास जमा गंदगी की सफाई करते हुए श्रद्धालुओं के आवागमन वाले रास्तों को भी सुगम बनाया गया। जलाशय एवं घाट की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

छठ घाट की साफ-सफाई का कार्य लचरागढ़ के समाजसेवियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से कराया गया। छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में व्रती और श्रद्धालु यहां पहुंचकर अस्ताचलगामी एवं उदयीमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। ऐसे में घाट की स्वच्छता और बेहतर व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा विशेष पहल की गई।

छठ महापर्व में स्वच्छता और पवित्रता का विशेष महत्व माना जाता है। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में श्रद्धालु पूरी श्रद्धा एवं आस्था के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की उपासना करते हैं। घाट की साफ-सफाई होने से व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिलेगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से छठ घाट को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखना सभी की जिम्मेदारी है।

इस साफ-सफाई अभियान में समाजसेवी प्रवीण साहू, संजय मिश्रा, संजू साहू, मनोज साहू, कमल नायक, संजय द्विवेदी, सुनील सिंह, मनीष राय, सुरेश द्विवेदी, कुलेश सिंह, विनीत पंडा, विप्रो सुदामा, वरुण द्विवेदी सहित अन्य ग्रामीणों की सक्रिय भूमिका रही। सभी के संयुक्त प्रयास से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ घाट की साफ-सफाई कर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने की पहल की गई ।

छठ महापर्व की तैयारियों का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दूसरी बार लिया जायजा, 103 घाटों में 90 सुरक्षित



पटना : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा-2026 की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को दूसरी बार गंगा घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टीमर से विभिन्न घाटों का जायजा लिया और अधिकारियों को छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने नासरीगंज घाट से निरीक्षण शुरू करते हुए कलेक्ट्रियेट घाट, गांधी घाट, पहलवान घाट, गुलबी घाट, चौधरी टोला घाट, पथरी घाट और गायघाट से भद्र घाट होते हुए महावीर घाट तक की तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि पटना में कुल 103 छठ घाटों में से 90 घाट पूरी तरह सुरक्षित हैं, जबकि 13 घाटों को चिन्हित किया जा रहा है। जिला प्रशासन और राज्य सरकार की ओर से ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि किसी भी छठ व्रती या श्रद्धालु को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

बिहार से बाहर रहने वालों से छठ मनाने आने की अपील

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार से बाहर रहने वाले लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे बिहार आकर छठ महापर्व मनाएं। यह अपना महापर्व है, जिसमें श्रद्धालु अस्ताचलगामी और उदयीमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं।

घाटों पर सुरक्षा और बैरिकेडिंग के पुख्ता इंतजाम के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ महापर्व से पहले गंगा घाटों पर सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। छठ व्रतियों को अर्घ्य देने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। गंगा नदी के जलस्तर और प्रवाह को ध्यान में रखते हुए घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

उन्होंने घाटों के आसपास मजबूत बैरिकेडिंग कराने के साथ-साथ घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों और गंगा किनारे की सड़कों पर भी बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने को कहा, ताकि श्रद्धालुओं का आवागमन सुचारू रूप से हो सके। मुख्यमंत्री ने छठ घाटों पर साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था रखने और श्रद्धालुओं के लिए सुगम यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही माइकिंग के माध्यम से घाटों पर उपलब्ध सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और जरूरी सूचनाओं की लगातार जानकारी देने को कहा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। घाटों पर आने-जाने वाले रास्तों, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं की लगातार निगरानी की जाए, ताकि व्रतियों को अर्घ्य देने के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, स्वास्थ्य मंत्री निशांत, सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।इसके अलावा मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक प्रीता वर्मा, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, पटना के जिलाधिकारी कुंदन कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

युवती की हत्या मामले में पुलिस की त्वरित कार्रवाई, आरोपी सलीम तिर्की गिरफ्तार

संवाददाता

सिमडेगा : बोलबा थाना क्षेत्र के रेंगारबहार गिरजाटोली स्थित लुकड़ी जंगल में युवती का शव मिलने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सलीम तिर्की (26 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी बोलबा थाना क्षेत्र के रेंगारबहार गिरजाटोली का रहने वाला है।



पुलिस के अनुसार, मृतका 6 नवंबर 2026 को सिमडेगा आदिवासी हॉस्टल से अपने घर केरसई करमटोली जाने के लिए निकली थी, लेकिन घर नहीं पहुंची। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच 8 नवंबर को सोशल मीडिया के माध्यम से परिजनों को सूचना मिली कि युवती का शव बोलबा थाना क्षेत्र के रेंगारबहार स्थित लुकड़ी जंगल में पड़ा है।

सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। मृतका के परिजनों के लिखित आवेदन पर बोलबा थाना कांड संख्या 24/26, दिनांक 08.11.2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1)/238 में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई।

अनुसंधान के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी सलीम तिर्की का युवती से सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क हुआ था। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने युवती को मिलने के लिए राउरकेला बुलाया था। इसके बाद 6 नवंबर को वह युवती को अपने पास ले गया। 7 नवंबर को उसे घर पहुंचाने के बहाने बोलबा के लुकड़ी जंगल ले गया, जहां कथित तौर पर उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद अन्य लड़कों से प्रेम संबंध होने के शक में हुए विवाद के दौरान आरोपी ने युवती को चट्टान से धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, हत्या के बाद आरोपी ने साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से युवती का मोबाइल फोन और आधार कार्ड तोड़कर जंगल में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर दोनों सामान विधिवत बरामद कर जब्त कर लिए हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने तकनीकी एवं अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

निशा भगत को न्याय दिलाने की मांग को लेकर भाजपा एसटी मोर्चा ने निकाला मशाल जुलूस

संवाददाता

सिमडेगा : आदिवासी नेत्री स्वर्गीय निशा भगत की मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राकेश रविकांत प्रधान के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस झूलन सिंह चौक से शुरू होकर महावीर चौक तक पहुंचा। इस दौरान कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

राकेश रविकांत प्रधान, जिला अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने कहा कि स्वर्गीय निशा भगत को न्याय दिलाना भाजपा की प्राथमिकता है। जब तक मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक भाजपा अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।

श्रद्धानंद बेसरा, पूर्व प्रत्याशी ने कहा कि आदिवासी समाज की बेटी को न्याय मिलना चाहिए। सरकार इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेकर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करे और दोषियों को कड़ी सजा दिलाए।

संजय ठाकुर, पूर्व जिला अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में न्याय की मांग को कमजोर नहीं पड़ने दिया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करते रहेंगे।

मशाल जुलूस में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पदाधिकारी, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिसमें मुख्य रूप से लक्ष्मण बड़ाईक, सुजान मुंडा,पिंकी प्रसाद, निशा बड़ाईक,सीखा अग्रवाला, गजानानंद बेसरा,मुनेश्वर तिर्की, श्रवण गोस्वामी, धीरेन प्रसाद, करण सिंह, अनिरुद्ध सिंह अनूप केसरी बिनय बघवार, आलोक श्रीवास्तव, पिंकू महतो, महेश सिंह, संदीप भगत, किशोरी केशरी, सिंटू गुप्ता, नीरज बड़ाईक विकास तिर्की, दुर्गेश तिर्की, पंकज तिर्की, बिपिन कछुआ, मदन दास सहित सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल थे!

टाउनशिप के नाम पर कृषि भूमि के सौदों पर उठे सवाल

नई दिल्ली/बिहार : बिहार में तेजी से बढ़ती रियल एस्टेट गतिविधियों के बीच अब उपजाऊ कृषि भूमि के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्मार्ट सिटी, आधुनिक टाउनशिप और शहरी विकास के नाम पर खेती योग्य जमीनों के बड़े पैमाने पर सौदे किए जाने के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि कुछ रियल एस्टेट कंपनियां किसानों से जमीन का एग्रीमेंट कराने के बाद वहां गेट और पिलर खड़े कर वर्षों तक जमीन को खाली छोड़ देती हैं। इससे कृषि भूमि खेती से बाहर हो रही है और किसानों की आजीविका पर भी संकट मंडराने की आशंका है।

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता संजीव कुमार सिंह ने इस मुद्दे पर बिहार सरकार, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर कृषि भूमि का अनियंत्रित व्यावसायिक इस्तेमाल राज्य के भविष्य के लिए चिंताजनक हो सकता है।

मेट्रो रेज की टीम ने विभिन्न जिलों में जुटाई जानकारी

संजीव कुमार सिंह के अनुसार, मेट्रो रेज के चीफ एडिटर के निर्देश पर टीम ने बिहार के विभिन्न जिलों का दौरा कर कृषि भूमि और रियल एस्टेट गतिविधियों से संबंधित जानकारियां जुटाई हैं। टीम की

भोजपुर के स्थापना दिवस पर शिक्षा विभाग की अनूठी पहल कला प्रदर्शनी में दिखी विकसित भारत की कल्पना

करीब 100 कला दीर्घाओं और प्रोजेक्ट प्रदर्शनी ने मोहा लोगों का मन, जिलाधिकारी ने की सराहना



आरा : जिला स्थापना दिवस के अवसर पर स्थानीय वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में आयोजित समारोह में भोजपुर शिक्षा विभाग की कला एवं रचनात्मक प्रदर्शनी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी। इस अवसर पर शिक्षा विभाग की कला दीर्घा समेत करीब 100 छोटी-बड़ी कला दीघाओं और प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता, स्थानीय कला-संस्कृति, नवाचार और शैक्षणिक बदलावों की अनूठी झलक प्रस्तुत की गई।

प्रदर्शनी में मिशन कायाकल्प, डिग्री कॉलेज, मॉडल स्कूल सहित जिले में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे बदलावों और नए प्रयोगों को मॉडल एवं प्रोजेक्ट के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कला शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की पहल पर आयोजित चित्र एवं प्रोजेक्ट प्रदर्शनी ने लोगों को शिक्षा के साथ कला के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व से भी रूबरू कराया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी मानवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना तभी साकार हो सकती है, जब समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। शिक्षा और कला ऐसे सशक्त माध्यम हैं, जो हर परिस्थिति में लोगों को आपस में जोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए चित्रों की गहराई और विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति की सराहना की।

प्रदर्शनी को उस समय विशेष पहचान मिली, जब जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने इसका अवलोकन कर सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा और कला एक-दूसरे के सच्चे साथी हैं। नई शिक्षा नीति में कला एवं प्रायोगिक शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है। प्रदर्शित चित्र और मॉडल अपनी कलात्मकता के साथ स्थानीय कला-संस्कृति को भी समेटे हुए हैं। विद्यार्थियों की ऐसी रचनात्मक पहल उनके वैचारिक और नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस आयोजन की परिकल्पना प्रोजेक्ट बालिका प्लस टू विद्यालय, चरपोखरी के कला शिक्षक रौशन राय ने तैयार की थी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की कल्पना गांव-जवार की लोक कला और संस्कृति को विकसित किए बिना पूरी नहीं हो सकती। ग्रामीण विद्यालयों में कला एवं प्रायोगिक परियोजनाओं को बढ़ावा देकर बाल कला की मजबूत नींव तैयार की जा सकती है।

कार्यक्रम पदाधिकारी राहुल रंजन ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि इसमें मौलिक मूल्यों और रचनात्मक अभिव्यक्ति का बेहतर समन्वय दिखाई देता है। प्रदर्शनी के माध्यम से बदलाव की संस्कृति को प्रभावी तरीके से समाज के सामने प्रस्तुत किया गया है।

वहीं, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के प्रभारी मिथिलेश कुमार सिंह ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह में इस तरह की प्रदर्शनी विद्यार्थियों और कला प्रेमियों के बीच नया उत्साह पैदा करती है। पूर्व प्रधानाध्यापक विजय कुमार सिन्हा ने भी बाल कला की संभावनाओं पर अपने विचार रखे।

प्रदर्शनी में प्रोजेक्ट बालिका प्लस टू विद्यालय, चरपोखरी की छात्राओं द्वारा तैयार कोलाज विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कागज की छोटी-छोटी कतरनों से तैयार कलाकृतियों में बच्चों की कल्पनाशीलता और बालमन की सहज अभिव्यक्ति देखने को मिली। इसके साथ ही भोजपुरी पीड़िया लेखन को मिली भौगोलिक मान्यता और स्थानीय लोक परंपराओं को भी प्रदर्शनी में स्थान दिया गया।

जिले में डिग्री कॉलेज और मॉडल स्कूलों की स्थापना एवं शैक्षणिक विकास से जुड़े मॉडल भी प्रदर्शित किए गए। कला शिक्षिका मोनिका कुमारी, शिल्पा कुमारी, शिक्षक पिंटू प्रसाद और कला शिक्षक रौशन राय ने मिलकर प्रदर्शनी की तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

इस मौके पर शहर के चित्रकार, पत्रकार, रंगकर्मी, साहित्यकार और कला प्रेमियों ने आयोजन की सराहना की। प्रमुख रूप से भास्कर मिश्रा, रेणु कुमारी, दिवाकर जी, रूपा कुमारी और नागेंद्र पाण्डेय ने शिक्षा विभाग की इस पहल को जिले में सकारात्मक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम की सफलता पर प्रोजेक्ट बालिका प्लस टू विद्यालय, चरपोखरी के प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय राय, सुनीत त्रिपाठी, सुकेश कुमार, प्रमोद कुमार सहित शहर के कलाकारों, पत्रकारों और साहित्यकारों ने आयोजकों को बधाई दी।

स्थापना दिवस की इस प्रदर्शनी ने यह संदेश दिया कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि कला, लोक संस्कृति, प्रयोग और रचनात्मकता के समन्वय से ही नई पीढ़ी में बेहतर समाज और विकसित भारत की सोच विकसित की जा सकती है।

पर्यटकों को सुविधाजनक जल परिवहन सेवा उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण कदम

पटना : मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज पटना के दीघा घाट से कंगन घाट तक कैटामरान वेसल (वाटर मेट्रो) का शुभारंभ किया और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस नई सुविधा से पटना आनेवाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों को गंगा नदी में जलयात्रा का नया अनुभव मिलेगा। साथ ही, राजधानी में पर्यटन की संभावनाओं को और मजबूती मिलेगी। पर्यटन विभाग की यह पहल गंगा नदी में पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने तथा पर्यटकों को आधुनिक एवं सुविधाजनक जल परिवहन सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वाटर मेट्रो के शुभारंभ होने से पटनावासियों को अशोक राजपथ के ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी और गंगा के रास्ते सुगम और सुविधाजनक सफर का विकल्प मिलेगा। ज्ञातव्य है कि कैटामरान वेसल 50 यात्रियों की क्षमता वाला आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित जलयान है। यह मुख्यतः विद्युत ऊर्जा से संचालित होता है। इसके संचालन से जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण एवं वायु प्रदूषण नहीं होगा। यह गंगा नदी में पर्यटकों को एक रोमांचक एवं सुखद यात्रा का अनुभव प्रदान करेगा। इस कैटामरान वेसल में उद्घोषणा प्रणाली, वातानुकूलन सुविधा, शौचालय, व्हील चेयर एवं अन्य आवश्यक आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कैटामरान वेसल (वाटर मेट्रो) का परिचालन पटना के दीघा (मीनार घाट) से प्रारंभ होगा तथा यह गांधी घाट पहुँचेगा। इसके पश्चात गांधी घाट से पुनः दीघा के लिए प्रस्थान करेगा तथा शाम को दीघा (मीनार घाट) पहुँचेगा। इस आधुनिक कैटामरान वेसल में यात्रा का किराया प्रति वयस्क 50 रुपए निर्धारित किया गया है। पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए यात्रा निःशुल्क होगी, जबकि पाँच से बारह वर्ष तक के बच्चों के लिए टिकट का दर निर्धारित किराये का आधा होगा। सभी पर्यटक अभी दीघा घाट पर काउंटर से टिकट प्राप्त कर सकते हैं, शीघ्र ही ऑनलाइन टिकट की भी सुविधा प्रदान की जाएगी।

कपड़े की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

हजारीबाग : दीपावली की खुशियों के बीच चौपारण प्रखंड के इंगुनिया मोड़ स्थित दीपाली एंटरप्राइजेज में शॉर्ट सर्किट से भीषण लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते दुकान में रखे कमड़े समेत अन्य सामान जलकर राख हो गये। इस घटना में दुकानदार को लाखों की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है।घटना के संबंध में दुकान के प्रोपराइटर सुधांशु सिंह ने बताया कि दीपावली की रात दुकान में विधिवत पूजा-अर्चना करने के बाद वे बगल की एक दुकान में गए थे। इसी दौरान उनकी नजर अपनी दुकान से निकल रहे धुएं पर पड़ी। अनहोनी की आशंका होते ही वे तत्काल दुकान पहुंचे और शटर खोलकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। देखते ही देखते दुकान में रखे कपड़े और अन्य सामान आग की चपेट में आ गए।

काली पूजा के समापन समारोह में शामिल हुए नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव

संवाददाता

चक्रधरपुर : रिफ्यूजी कॉलोनी स्थित मां काली मंदिर में इस वर्ष मां काली पूजा का 75वां वर्ष (अमृत महोत्सव) अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। 75वें वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित बहुदिवसीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतिम दिन एक भव्य आर्केस्ट्रा एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्री सन्नी उरांव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।



कार्यक्रम में पहुंचे अध्यक्ष सन्नी उरांव ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर अंतिम दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मां काली के चरणों में शीश नवाकर समस्त नगरवासियों की सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

उपस्थित श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष ने कहाः

रिफ्यूजी कॉलोनी काली मंदिर का 75 वर्षों का यह सफर आस्था, एकता और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के अंतिम दिन आप सभी के बीच उपस्थित होकर दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य मिलना मेरे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। मां काली का आशीर्वाद सदैव हमारे पूरे नगर और सभी परिवारों पर बना रहे।

इसके साथ ही, नगर परिषद अध्यक्ष ने इस भव्य और गरिमामय आयोजन के लिए पूजा समिति की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्यों का समर्पण और निष्ठा सराहनीय है। अध्यक्ष सन्नी उरांव ने रिफ्यूजी कॉलोनी काली मंदिर समिति के तमाम पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि उनके स्नेहपूर्ण निमंत्रण और आत्मीय स्वागत के लिए वे सदैव कृतज्ञ रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान पूजा समिति के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।